53rd Year in the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

January, 2017 No. 01 Vol XXXXXIII

सृष्टि संवत् :1,96,08,53,119 शकसंवत् 1938

पौष-माघ 2073 दयानन्दाब्द 193 कलि संवत् 5118

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 55000

National President

SITARAM PAREEK

MOB.: 0-9322265975 (MUMBAI)

National Vice President (HQ) & Editor

DR. SURESH CHANDRA GUPTA

MOB. : 09415334709 (FARRUKHABAD)

National Secretary General

AJAY DUTTA

MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)

National Finance Secretary

OM PRAKASH KANOONGO

MOB : 09322295253 (MUMBAI)

National Organising Secretary

SACHINDANAND PANDA

MOB : 09437506798 (BHUBANESWAR)

Chairman Prakashan

ATAM DEV

RESI : 011-27315696 (DELHI)

Email : atam.dev@bvpindia.com

Sub-Editor

MANOJ AWASHTI

MOB : 09953495747 (GHAZIABAD)

Email : manojkrawasthi@gmail.com

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by Ajay Dutta for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/ BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

''ये हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी स्वतंत्रता का मोल अपने खून से चुकाएँ, हमें अपने बलिदान और परिश्रम से जो आज़ादी मिले, हमारे अन्दर उसकी रक्षा करने की ताकत होनी चाहिए'' - सुभाष चन्द्र बोस

CONTENTS

1. सम्पादकीय 4
2. संगठन के झरोखे से 5
3. Annual Report for year 2015-16 6
4. Balance Sheet as on 31 March, 2016 14
5. Regional Mahila Sammelan 16
6. 42nd NGSC Pune 17
7. स्वास्थ्य 18
8. नई शाखाएँ 21
9. देहदान व नेत्रदान 23
10. आओ जरा हंस लें 24
11. भारत को जानो 26
12. विविध गतिविधियाँ 30

विशेष
1. मकर संक्रान्ति, पृष्ठ संख्या-15
2. गुरु तेग बहादुर का अमर बलिदान, पृष्ठ संख्या-20
3. मेरा पत्र मेरा संदेश, पृष्ठ संख्या-25
4. How they live? Inspiring real story (Sudha MurthI) page 34

जनवरी मास के पर्व एवं राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम

05 : गुरु गोविंद सिंह जयन्ती
12 : स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, राष्ट्रीय युवा दिवस
13 : लोहड़ी, 14 : मकर संक्रांति/पोंगल
23 : नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती
26 : गणतंत्र दिवस
30 : महात्मा गाँधी पुण्य तिथि, शहीदी दिवस

All India Bharat Ko Jano Competition
31st1 Dec., 2016 -1st January, 2017
Shriganganagar (Rajasthan North)

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : bvp@bvpindia.com website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

सम्पादकीय...

पिछले मास बहुत सी औपचारिकताऐं करने के बाद मीडिया के एक चैनल पर देश हित के विरूद्ध समाचार देने के कारण एक दिन का प्रतिबन्ध लगाने की घोषणा हुई। ज्ञात जानकारी के अनुसार कारगिल के युद्ध के समय चैनल की पत्रकारिता के रहते सेना को नुकसान उठाना पड़ा था। कश्मीर घाटी में पत्थरबाजों का समर्थन और जे.एन.यू. प्रकरण पर देश विरोधी गतिविधियों का महिमा मण्डन भी इसी चैनल के खाते में है। प्रखर श्रीवास्तव जो इस चैनल के साथ काम कर रहे हैं। बताते हैं कि किस प्रकार ताज होटल पर मुम्बई में हुए आतंकी हमले में ग्राउण्ड को कवर कर रहे संवाददाता ने सूचित किया कि सुरक्षा बलों ने एक आतंकी को सुरक्षित बाहर जाने का रास्ते दे दिया। इस खबर को चैनल पर जारी किया जाए। सुरक्षाबलों के मनोबल को तोड़नेवाली ऐसी खबरे इस चैनल की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगाती है। चैनल पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ अभिव्यक्ति की आजादी, प्रेस की स्वतंत्रता की आवाज उठी। लेकिन सच्चाई से वाकिफ कुछ पत्रकारों की टिप्पणियाँ देखिए। राहुल सिंगला कहते है कि चैनल को पूरी तरह बन्द कर देना चाहिए। आलोक ने फेसबुक पर लिखा 'पत्रकारिता पर काले धब्बे जैसा है एनडीटीवी' सोशल मीडिया पर हजारों पोस्ट आये जिन्होंने प्रतिबन्ध को उचित ठहराया। व्यवसायी जसप्रीत सिंह ने लिखा कि चैनल को एक दिन बन्द करने की मैं कड़ी निन्दा करता हूँ। इस चैनल को सदैव के लिए बन्द कर देना चाहिए। ऐसे चैनलों पर तकनीकी अथवा आपराधिक-देश विरोधी मुद्दों के कारण प्रतिबन्ध अस्थायी उपाय है। उपाय है जनता का अंकुश। जनता को ही देश हित और देश विरोध की परिभाषा को समझना होगा।

देश में विमुद्रीकरण की घोषणा कुछ ऐसे अंदाज में हुई कि लोगों ने कहा कि संभलने का समय ही नहीं मिला। टीवी के नियमित दर्शकों ने बताया कि अचानक प्रधानमंत्री के उद्‌बोधन की सूचना देखकर ऐसा लगा कि पाकिस्तान से युद्ध की घोषणा होने को है। देशव्यापी अर्थव्यवस्था के बारे में अंतिम व्यक्ति को प्रभावित करने वाली घोषणा इतनी अचानक हुई कि काले धन के खिलाड़ी सकते में आ गये। जिसे जो रास्ता मिला काले को सफेद करने मे जुट गया। सरकार रोज समीक्षा करती, जनता के लिए सुविधाएँ जुटाती, जुगाड़ करने वालों के लिए कड़े प्रतिबन्ध लगाये गये। देश में नक्सलवाद ठंडा पड़ गया। कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियाँ लगभग गायब है। हवाला कारोबारी सदमें में हैं। जनता के बल्ले बल्ले है। लोकतंत्र में सरकार के किसी कदम से 98% जनता खुश नहीं होती। इस घोषणा से शतप्रतिशत जनता खुश है। विरोधी दलों को सड़क पर विरोध करने का साहस चुक गया। इसलिए संसद में हंगामा कर स्थगित करने का नाटक कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने 50 दिन मांगे। जनता 100 दिन देने को तैयार हो गई। स्वतंत्रता के बाद यह ऐतिहासिक घटना है। इस घोषणा से देश में अच्छे दिनों के आसार बढ़े हैं। वर्ष 2017 दस्तक दे रहा है। नया सबेरा भारत का भाग्य बदलने को आतुर है। कवियों, साहित्यकारों, फिल्मकारों, प्रबन्धन विशेषज्ञों और आर्थिक मामलो के विशेषज्ञों ने जिन शब्दों में इस घोषण की प्रशंसा की है वह देश के भविष्य की सोच की संभावनाओं का प्रतीक है। देश में महिला सहभागिता के सम्मेलनों में बढ़ती उपस्थिति से यह आभास होता है कि महिलाओं की नेतृत्व क्षमता के विकास में परिषद् की कार्यशैली अनुकूल भी है और प्रभावी भी।

राष्ट्रीय अधिवेशन अजमेर, भारत को जानो की राष्ट्रीय प्रतियोगिता श्री गंगानगर में सम्पन्न हो गई। राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी) लोहड़ी, मकर संक्रान्ति, पोंगल, खिचड़ी आदि पावन पर्व (14 जनवरी), सामाजिक समरसता का प्रतीक है। मतदाता दिवस (24 जनवरी), गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) शायद इस वर्ष राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का आगाज लेकर आयेगी। यह समय अति सक्रियता का समय है। देश के निर्माण में अपनी शक्ति भर सहयोग और समर्थन का समय है। देश के परिवर्तन के साक्षी बनने का हमें सौभाग्य मिला। इसका भरपूर उपयोग करें। - **डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता**।

वर्ष 2017 का कैलेण्डर

पिछले वर्षों की भाँति इस वर्ष भी 2017 का कैलेण्डर नई सज-धज के साथ प्रकाशित किया जा रहा है। बिक्री हेतु केन्द्रीय कार्यालय में उपलब्ध है। सहयोग राशि ₹ 25/

कार्यालय से प्राप्त करने पर अथवा 100 से अधिक कैलेण्डर की प्रतियाँ मांगने पर ₹24/-

कृपया अपने ऑर्डर अग्रिम राशि के साथ शीघ्र प्रेषित करें।

Please send your orders, along with your contribution, to the Central Office. Kindly make the Cheque/Demand Draft payable to 'Bharat Vikas Parishad Prakashan'. The amount can also be deposited in Bharat Vikas Parishad Prakashan account No. 90962010080664, RTGS or IFS code : SYNB0009096 of Syndicate Bank, Pitampura, Delhi-110034

- चेयरमैन प्रकाशन

संगठन के झरोखे से

1अप्रेल, 2016 से लागू नये संविधान की रूप रेखा, नियम तथा निर्देश निर्माण करने के बाद नई व्यवस्था में कोर कमेटी, राष्ट्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल जैसे शब्दों का प्रचलन बहुत सहज नहीं रहा। रीजनल पदाधिकारी, रीजनल कार्यकारिणी और रीजनल काउन्सिल शब्दों के अर्थ भी देर सबेर स्पष्ट हो गये। प्रान्तीय चुनावों के बाद केन्द्रीय निर्देश पर खुलने वाले बैंक एकाउन्ट, शाखा की संबद्धता शुल्क पर बार-बार आग्रह करना पड़ा। शाखा के बैंक अकाउन्ट खुलने में स्पष्टता धीरे-धीरे आ रही है। रीजन स्तर पर चयनित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं नामित संयुक्त महामंत्री, वित्त मंत्री, राष्ट्रीय मंत्री संगठन, राष्ट्रीय मंत्री प्रकल्प, रीजनल सेक्रेट्री स्तर का कार्य विभाजन साल खतम होने तक कुछ स्पष्ट हो गया। यह अपेक्षा थी कि सभी दायित्वधारी अपने अनुक्रम में किस के प्रति उत्तरदायी होगें। उनका कार्य क्षेत्र क्या होगा यह विषय कई बार स्पष्ट करने पर भी इस पर अनुकूल प्रतिक्रिया नहीं मिली। केन्द्रीय कार्यालय को प्रान्तीय स्तर तक के लक्ष्य, अर्धवार्षिक (सितम्बर) आख्या दिसम्बर तक की आख्या मांगी गई। मेल पर, कोरियर से, फोन पर लगातार सम्पर्क के बाद भी बहुत संतोषजनक प्रगति नहीं रही। प्रगति आख्याओं के लिए जो पत्रक संयुक्त महामंत्रियों को प्रेषित किया गया था उसका क्रियान्वयन राष्ट्रीय मंत्री, संगठन के माध्यम से पूरा होना अपेक्षित था। अधिवेशन में रीजनल आख्या सत्र में देश भर के संगठन तथा प्रकल्पों का आकलन हो जाएगा।

प्रान्तीय महासचिवों को भेजा गया यह प्रपत्र वर्ष 2016-17 की आख्या (फरवरी, 2017) के लिए पूरा करना होगा। यह प्रपत्र संयुक्त महामंत्री के माध्यम से केन्द्रीय कार्यालय को भेजने की अपेक्षा है। बहुविद दायित्वधारियों की उपस्थिति में मंच का प्रोटोकोल भी चर्चा का विषय रहा। इसका स्पष्टीकरण भी अगले अंक में प्राप्त होगा। देश डिजिटल होने जा रहा है। केन्द्रीय कार्यालय में मीडिया सेल को लॉन्च कर दिया गया है। प्रान्तीय स्तर पर सूचना तकनीक को उपयोग हेतु तत्पर रहें। धन्यवाद।

-scguptafbd141@gmail.com

NATIONAL EVENTS/PROGRAMMES OF THE PARISHAD

TO BE HELD DURING 2016-17

S.N.	Events/Programme	Place	Date & Month
1.	Bharat Ko Jano	Sriganganagar (Raj. North)	31st Dec.&1st Jan.,17

- **Ajay Dutta**, National Secretary General

GYAN PRABHA

(QUARTERLY)

ज्ञान प्रभा

ज्ञान प्रभा का आजीवन सदस्य बनें, औरों को भी आजीवन सदस्य बनने के लिए प्रेरित करें।!!

आजीवन सदस्यता मात्र ₹2000/-

त्रैमासिक

'भुला दो बीता हुआ कल, दिलो में बसाओ आने वाला कल, हंसो और हंसाओ, चाहे जो भी हो पल, खुशियाँ लेकर आएगा आने वाला कल''।

ANNUAL REPORT FOR 2015-16

Presented by Ajay Dutta, National Secretary General in the Ajmer National Conference

Dear Brothers & Sisters,

It is my great pleasure and privilege to present the Annual Report of Bharat Vikas Parishad for the year 2015-16. The report broadly discusses organizational activities undertaken for expansion of our work as well as various programmes in the fields of Sanskar, Sewa and other multifarious activities held all over the country to achieve our objectives.

A. ORGANISATION & FINANCE

1. Regional Workshops

1.1 Following National level meetings / workshops were held during the year 2015-16:

A.	Zones	Dates	Venue	Participants
1)	North (Zones 1-5)	25-26 April, 2015	Ambala	129
2)	East (Zones 6-9)	02-03 May, 2015	Patna	68
3)	West (Zones 10-14)	02-03 May, 2015	Udaipur	102
4)	South (Zones 15-17)	18-19 April, 2015	Hyderabad	66
			Total	**365**

B. National Workshop of Trust and Societies office bearers was held at Kota on 25-26 July 2015. Total 54 office bearers attended the meeting.

C. National Office Bearers Meeting was held at Ranchi on 22–23 August 2015. 55 delegates participated in the meeting.

D. Mahila Karyakarta Workshops

(a) North Region (Zone 1-14) held at Moradabad (Rohilkhand) on 29 Nov. 15. Total 250 Mahila delegates participated.

(b) South Region (Zone 15-17) held at Vijayawada (A.P.) along with South Zonal Conference.

E. Zonal Conferences			Participants
i Zones I	13 December, 2015	Jalandhar (Punjab North)	1102
ii: Zone II	20 December, 2015	Safidon (Haryana West)	811
iii: Zone III	27 December, 2015	Delhi	300
iv: Zones IV, V, VI	26-27 December, 2015	Sahibabad (U.P. West)	800
v: Zones VII, VIII,IX	03 January, 2016	Kolkata (West Bengal)	300
vi: Zone X	26-27 December, 2015	Alwar (Rajasthan North East)	500
vii: Zone XI	26-27 December, 2015	Jodhpur (Rajasthan West)	600
viii: Zone XII	09-10 January, 2016	Ujjain (Madhya Bharat West)	350
ix: Zone XIII	10 December, 2015	Ahmedabad (Gujarat Central)	1800
x: Zone XIV	30-31, January, 2016	Nagpur (Maharashtra 2)	250
xi: Zones XV to XVII	26th January 2016	Vijayawada (Andhra Pradesh)	108
		Total	**6921**

2. Meeting of the National Governing Board: February, 2016

Meeting of the NGB was held on 27th -28 Feb 2016 at Faridabad (Haryana South). 226 delegates attended the meeting, the meeting was presided by Shri S. R.Pareek National President. Dignitaries who graced the occasion were Sajjan Jain Management Expert, Shri J.P. Gupta, Dr. Yogender Malik, advisor

to CM Haryana, Shri K.P. Gujar Central Minister. Shri Pareek Ji summed up the decisions of the meeting. Shri V. Bhagaiah encouraged the delegates by giving inspiring thoughts.

2.2 While the meeting in various sessions held group discussions and reporting by Project Incharges, three important takeaways of the meeting were as under:

(a) Adoption of the new Rules and Regulations framed by Justice Shri Vishnu Sadashiv Kokje, former National President, to be effective from the next year to supersede the existing Constitution and Byelaws;

(b) Decision to launch projects in a big way on *Beti Bachao Beti Padhao*, Nasha Mukti, Rain Water Harvesting, Village Development, *Samuhik Saral Vivah,* Blood Donation and Eye Donation; and

(c) Unanimous election of the new team of the National Office Bearers for the years 2016-18.

2.3 Following National Office Bearers were elected for the years 2016-18 i.e. from 01.04.2016 to 31.03.2018:

(a) National President – Shri Sitaram Pareek, Mumbai

(b) National Secretary General – Shri Ajay Dutta, Chandigarh

(c) National Finance Secretary - Shri Om Prakash Kanoongo, Mumbai

(d) National Vice President (HQ) - Dr. Suresh Chandra Gupta, Farrukhabad

(e) National Vice President (North) - Shri Surinder Kumar Wadhwa, Delhi

(f) National Vice President (North Central) - Shri Keshav Dutt Gupta, Agra

(g) National Vice President (Central) - Shri Pradyumna Kumar Jain, Kota

(h) National Vice President (West) - Shri Ajit Ramanlal Shah, Ahmedabad

(i) National Vice President (East) - Dr. (Smt.) Indira Barthakur, Guwahati

(j) National Vice President (South) - Shri N. Doulatha Rao, Bangalore

Nomination of Shri Sachidananda Panda as National Organizing Secretary for the year 2016-18 was also approved.

3. Zones, Prants & Branches

3.1 As on March 2016 there were 17 Zones and 60 Prants. With efforts of our office bearers and members there has been steady increase in the number of branches and membership of the Parishad. Based on Central Share actually received in the Central Office, the number of branches and members during the last three years are shown below:

Year	**Branches**	**Membership** (family units)	**%age increase**
2013-14	1166	52,969	
2014-15	1245	54,752	3.37
2015-16	1251	57,310	4.67

3.2 It will be seen that in the year 2015-16 increase in membership was 4.67 percent as against 3.37 percent in the previous year.

4. Permanent Corpus Fund

4.1 For financing our projects and to provide funds for urgent relief works, Parishad has two schemes viz. "Vikas Ratna" and "Vikas Mitra". As on 31.03.2016, there were **147 Vikas Ratna** and **3,456 Vikas Mitra.**

5. **Financial Assistance to Prants**

5.1 In the fifth year of this scheme to provide financial assistance to Prants out of central office corpus fund for permanent projects, assistance totaling Rs. 23.18 lakh was provided (a) to seven projects for improving their infrastructure and (b) for organising Viklang Sahayata camps.

6. Accounts for 2015-16

6.1 An audited Balance Sheet and Income & Expenditure Account of Bharat Vikas Parishad (Central Office) for the year 2015-16 are at **Annexures**.

B. PROJECTS & PROGRAMMES

I. SANSKAR

7. National Group Song Competition (N.G.S.C.)

7.1 At branch level, the participation of students during 2015-16 has been as under:

No. of branches organising the programme	638
No. of schools who participated4,	599
No. total of participants	**49,727**

7.2 **All India National Group Song Competition:** 41st All India National Group Song Competition was held at Gwalior (Madhya Bharat North) on 20th-21st December, 2015. A record number of **51 Prant teams** participated from all over the country. The programme was inaugurated by Shri Narendra Singh Tomar, Union Minister for Mines, Steel, Labour and Employment. Prominent amongst those who were present on the occasion included Shri Ramashankar Singh, Chancellor, ITM University and Shri Vivek Narain Shejwalkar, Gwalior Mayor. In the concluding session Smt. Maya Singh, Cabinet Minister for Women and Child Development,Government of Madhya Pradesh and Shri Abhay Chaudhary, Chief of Gwalior Development Authority were present.

7.3 Results of the Competition were as under:

	Hindi	**Sanskrit**	**Regional**
First	Haryana North	Delhi South	Punjab South
Second	Punjab North	Rajasthan Central	Assam
Third	Haryana South	Madhya Bharat North	Odisha

8. Bharat Ko Jano

8.1 During 2015-16, the participation of children in Bharat Ko Jano Competition was as under:

No. of branches organising the programme	766
No. of schools who participated	8,475
No. of students participated in written test	**7.16 lakh**

8.2 **Fifteenth All India Bhara Ko Jano Competition** was held at Agra (Braj Pradesh) on the 2nd and 3rd January, 2016. As many as **100 teams** - both Junior (48) and Senior (52) participated from 52 Prants all over the country. Shri Ram Naik, Governor of Uttar Pradesh graced the occasion as the Chief Guest. Results of the Competition were as under:

	Junior Category	**Senior Category**
First	Mahakaushal	Andhra Pradesh
Second	Rajasthan North East	Chhattisgarh
Third	Haryana West	Punjab East

9. Guru Vandan - Chhatra Abhinandan

9.1 During the year, 674 branches organised this programme in **3,934 schools** whose estimated **28 lakh students** participated. On the whole, 21,651 students were facilitated.

10. Guru Tegh Bahadur Balidan Diwas and Other Inspiring Events

10.1 Bharat Vikas Parishad has been observing the martyrdom day of Guru Teg Bahadur for many years.

Public meetings, seminars and exhibitions are held to highlight the sacrifices of Sikh Gurus and pay respectful homage to the great patriot.

10.2 During 2015-16, **175 branches** all over the country organised programmes to pay homage to Guru Teg Bahadur Balidab Diwas in which a total of **27,811** participated.

0.3 In addition, **300 branches** organised other 1,099 inspiring events throughout the year which had over **80,000** participants.

11. Bal, Yuva, Mahila and Parivar Sanskar Shivirs

11.1 During the year 2015-16, 153 branches organised 201 Bal/Yuva Shivirs in which total participation was **15,323**. In addition, 83 branches organised Parivar and Bal Kalyan Shivirs in which **9,636 women** participated.

12. Praudh Sadhana Shivirs

12.1 The aim of Praudh Sadhana Shivirs is to prepare retired persons to lead active, purposeful and dedicated social life.During the year 2015-16, 33 branches organised 123 Sanskar Shivirs wherein a total of **6,688 senior citizens** participated.

12.2 **Twenty Second All India Praudh Sadhana Shivir** was held at Chittorgarh (Rajasthan South East) on the 19th and 20th March, 2016. Four hundred delegates from different states of India attended the Shivir. Shivir was inaugurated by Shri Kailash Chandra Meghwal, Speaker of Rajasthan Legislative Assembly. Among others who graced the Shivir were Shri C.P. Joshi, MP, Shri Chander Bhan Singh, MLA, Sadhvi Samvani Pragya and Shri Kailashji, prominent social worker.

II. SEWA

13. Viklang Sahayata (Assistance to Physically Challenged)

13.1 During the year 2015-16, number of artificial limbs provided by the Viklang Kendras and branches is indicated below:

(a)	By BVP branches at Viklang camps	8,872*
(b)	By Viklang Sahayata Kendras at their own centres	6,038+
(c)	By Viklang Sahayata Kendras at camps organized by organisations other than BVP	2,009+
	Total	**16,919**

*As reported by Prants; +As reported by Viklang Kendra

13.2 Our branches also contributed towards rehabilitation of 639 physically challenged by providing them training in various vocations, securing employment or in obtaining railway passes etc. during the year. Among the Viklanag Sahayata Kendras, Ludhiana Centre rehabilitated 204 physically challenged.

13.3 Our Viklang Sahayata Kendras have so far provided artificial limbs to 2.45 lakhs physically challenged persons as detailed below:

S.No.	Year of Establishment	State	Town	Total Limbs Provided (till March, 2016)
1.	1990	Delhi	Delhi	75,817
2.	1992	Himachal Pradesh	Nagrota	5,464
3.	1993	Andhra Pradesh	Hyderabad	28,007
4.	1995	Assam	Guwahati	3,741
5.	1996	Punjab	Ludhiana	45,853
6.	1996	Rajasthan	Kota	9,428
7.	1996	Maharashtra	Pune	5,202
8.	1998	Gujarat	Ahmedabad	16,443

9.	1998	Madhya Pradesh	Indore	10,480
10.	1999	Bihar	Patna	21,630
11.	1999	Haryana	Hisar	11,301
12.	2000	Uttar Pradesh	Moradabad	7,138
13.	2005	Rajasthan	Sanchore	4,338
			Total	**2,44,842**

14. Villages / Urban Slums Development

14.1 During 2015-16, our branches took up 83 service projects in **42 adopted villages**. The projects included health check-up camps, visit of mobile medical vans, vocational training centres, sanskar kendras and education of illiterate and neglected children. The centres also help in getting benefits of different schemes launched by the Government.

15. Integrated Development of Village through NRIs Assistance

15.1 Bharat Vikas Parishad, with financial assistance from Jindal Foundation Canada, has taken up Samagra Gram Vikas Project for all round development of villages in various parts of the country. The programme targets to develop at least one model village in each state of India in a phased manner. So far 16 villages in 14 states have been fully developed. Work is now in progress in 26 additional villages making a total of **42 villages**. Of these, following 10 villages were selected for development during 2015-16:

(1.) Bhushikritpurwa (Chandauli), Uttar Pradesh (2.) Dhanauli (Darbhanga), Bihar (3.) KhalaTeera (Haridwar), Uttrakhand (4.) KultanuaPalli (Sambalpur), Odisha (5.) PipliyaNaulay (Shajapur), Madhya Pradesh (6.) Meghratwara (Muzaffarpur), Bihar (7.) Sitaram Ki Lawan, Madhya Pradesh (8.) Shripura Village (Kapren), Rajasthan (9.) Pakri Mirzapur, Uttar Pradesh and (10.) Gopalpura (Bundi) Rajasthan

15.2 Parishad has so far provided financial assistance amounted to **Rs. 3.64 crore** for this project. This amount is exclusive of the contribution made by villagers by way funds and labour provided.

16. **Vanvasi Sahayata (Tribal Development)**

16.1 Since 1992, Bharat Vikas Parishad has been taking up programmes for the welfare and uplift of the vanvasis of the country in General and North Eastern states in particular. During the year, Prants contributed Rs. 5.72 lakh for projects in North Eastern states, out of which Central Office disbursed Rs. 0.57 lakh**.** In addition, non-North Eastern prants spent a sum of Rs. 85.19 lakh for projects in their own tribal areas. Thus the total expenditure on Vanvasi Sahayata Project amounted to **Rs. 85.76 lakh.**

17. Environment

17.1 Under this project, branches take up tree plantation, distribution of sacred plant e.g. Tulsi, and organise seminars on environment. During the year, our branches planted 71,358 plants and distributed 58,594 Tulsi plants – a total of **1.30 lakh plants.**

18. Health (other than assistance to Handicapped)

18.1 Regular general health check-ups, blood donation camps and specialized medical camps are organized. The number of beneficiaries in health camps organised by the branches during the year was as under:

- No. of branches organising health camps 391
- No. of camps organised 1,172
- No. of beneficiaries **2.51 lakh**

In addition, Parishad's members also donated **24,482 units of blood** during the year.

19. **Important Health Centres**

19.1 Apart from organising health camps, Bharat Vikas Parishad has set up hospitals and diagnostics centres which provide advanced diagnostic and treatment facilities either free of cost or at highly subsidized rates in spirit of service to the citizens.

19.2 **BVP Charitable Diagnostic Centre, Chandigarh:** Diagnostics Centre at Chandigarh has highly advanced diagnostic and treatment facilities under one roof. The number of patients served rose from 4,087 in 1997-98 to **3.95 lakh** during 2015-16 as shown below:

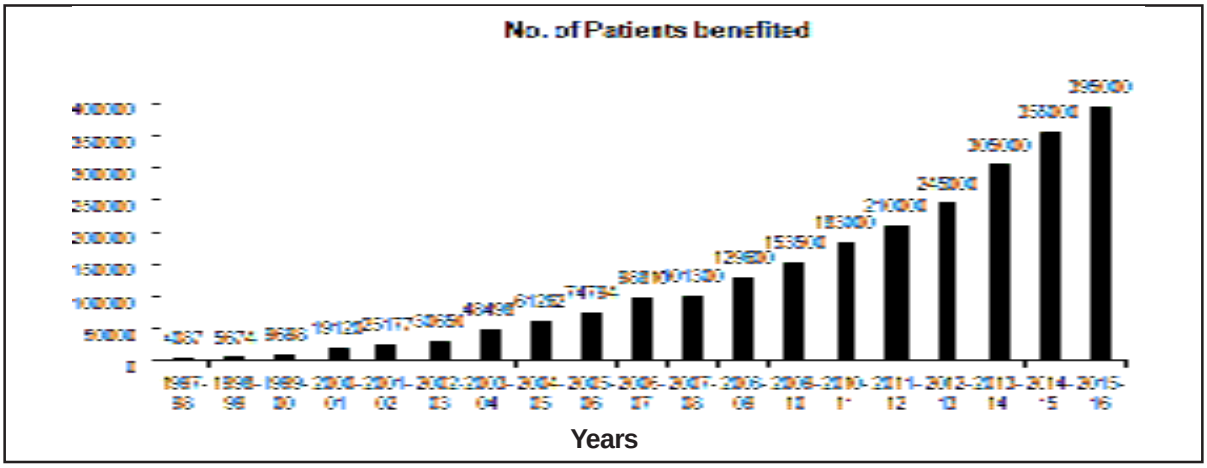

Diagnostic Centre provides services on 'no profit no loss basis. These charges are one third and in many cases even one fourth of the normal market rates. During 2015-16**, the turnover of the Centre was Rs. 7.95 crore.**

19.3 **Bharat Vikas Parishad Eye Hospital, Chandigarh:** During the year 2015-16, the Centre collected 60 eye donations from Chandigarh and around and the same has been transplanted in our Bharat Vikas Parishad Eye Hospital Chandigarh. The Centre has also started Retina treatment in the Eye hospital and a sum of Rs. 50.00 lakh has been spent for their equipments.

19.4 **BVP Hospital & Research Centre, Kota (Rajasthan):** It is a Super Specialty 280 bedded hospital spread over 54,000 sq. ft. and covered area of more than 75,000 sq. ft. During the year construction work to add another 80 beds and 35,000 sq. ft. area has been taken up.

19.5 During the year, the hospital provided treatment to a total of **1.80 lakh** patients**.** In addition **40,000** patients were admitted in the hospital for treatment in various departments. The number of **surgeries performed was more than 7,000**. More than **1800 eye operations** are performed each year in the remote areas free of cost.

19.6 **Madhav Nursing College, Kota:** The nursing college was established in 2015-16 at a cost of Rs. 4.5 crore and covers constructed area of 45,000 sq.ft. It provides B.Sc. Nursing 4-Year Degree Course with annual intake of 40 students.

19.7 **GNM Nursing School, Kota:** Started in 2015-16, the Nursing School, with built area of 8,000 sq. ft., provides 3-Year Diploma course. Its annual intake is 50 students.

19.8 **Bharat Vikas Parishad Paramedical Institute, Kota:** Two-Year Diploma Course for Lab, ECG, Blood Bank, O.T., Dialysis, Orthopedic and Endoscopy Technician was started in 2015-16. Each Course is for 25 students.

19.9 **BVP Charitable Trust Hospital, Ludhiana**: During the year the Trust Hospital treated **17,892 patients** taking the total number to **3.85 lakh patients** attended during the last 10 years. The expenditure on policlinic during the year amounted to Rs. 11.79 lakh. Its Diagnostic Centre conducted various tests involving expenditure of Rs. 2.59 lakh. During the year, its Polio Centre held **12 camps and conducted**

143 operations on 93 patients.

19.10 **BVP Punarvas Kendra & Sanjay Anand Viklang Hospital & Research Centre, Patna:** It is a Super Specialty Centre for prosthetic and orthotics as well as for corrective and innovative surgery. During 2015-16, apart from providing artificial limbs to 927 physically challenged persons, the centre conducted **polio and corrective surgery on 376 patients.**

19.11. **Generic Medicine Facilities:** Our BVP Trust in Hyderabad is serving the public through a network of "Bharat Vikas Sanjeevani Generic Medical Shops" which are manned by qualified pharmacists. During the year two more centres were opened. Now there are **15 shops** supplying more than 500 medicines. More than 25,000 people have benefited from the supply of generic medicines at very low rates compared to other commercial medical shops.

20. Samuhik Saral Vivah

20.1 Parishad has been organising Samuhik Saral Vivah of poor and needy young girls and boys as an important programme every year.

20.2 During the year 2015-16, Parishad helped in organising marriages of **608 couples** belonging to weaker sections of the society.

21. Relief Work

21.1 The Central Office released a sum of Rs. 68.11 lakh for relief work in Nepal, Odisha, Tamil Nadu, Uttrakhand West, Manipur and Haryana North.

22. Permanent Projects

22.1 There are now **1,615 permanent projects** run by various branches of Bharat Vikas Parishad whose activities are conducted on daily or weekly basis for the benefit of the society. The permanent projects can be broadly categorized in following areas:

a)	Educational	245
b)	Medical Care	393
c)	Aid to Needy	319
d)	Other Activities of Social Need	643
	Total	**1,600**

IV. SAMPARK (PUBLIC RELATIONS)

23. Sanskriti Saptah

23.1 Under this programme emphasis is on Sampark and Sahyog. During the year 2015-16, **523 branches** organised **3,134 programmes** during the Sanskriti Saptah.

24. Sthapana Diwas & Pratibha Samman

24.1 Parishad's Foundation Day is celebrated by the branches by organising functions to spread its message among the citizens. During 2015-16, **634 branches** organised such functions in which a total **of 3,944 persons** were honoured.

25. Mahila Sahbhagita

25.1 During the year, branches organised **201 programmes** especially for the women which were attended by **8,637 participants.** Similarly, **47 programmes** were organised at Prant level which was attended by **4,602 delegates**.

26. Seminars

26.1 During the year, **273 seminars** were organized at Branch level in which **48,604 persons** participated**.** At the Prant level, **37 seminars** were organised attended by **3,998 persons.**

27. Workshops

27.1 During the year, branches and Prants organized **126** and **78 workshops** in which **7,504** and **7,236 members** respectively participated.

28. Publications

28.1 Parishad's bilingual monthly journal "Niti" (in Hindi and English) is being brought out regularly. During the year its contents were revised to include other useful material, in addition to the news. The change has been welcomed by the readers. Niti's circulation has risen to 57,000 copies. Parishad is also publishing quarterly magazine "Gyan Prabha" to supplement "Niti" which provides thought provoking articles.

28.2 Parishad's Publications Department continued to bring out revised and updated literature on various projects and activities of Bharat Vikas Parishad. It is noteworthy that the latest edition of one of its book "Bharat Ko Jano" touched over 2.50 lakh copies.

28.3 In addition, branches and Prants brought out **49 and 38 publications** respectively.

29. Media Sampark

29.1 During the year, Prants organized **208 press conferences** to brief the media about the activities of the Parishad. Branches also actively issue press releases with the result that now the local newspapers cover the Parishad's news quite extensively.

30. Parishad's Website & Social Media

30.1 Parishad's website (www.**bvpindia.com**), which is maintained in-house, is now a useful tool kit for conducting our programmes as well as an effective vehicle to disseminate information about the activities of the Bharat Vikas Parishad. During the year it launched following online facilities:

a. Online facility for uploading news for Niti
b. Online Annual Prantiya Report submission
c. Online Membership Records updating
d. Online Blood Donors Registration

30.2 The website is now being accessed by **5 lakh internet users** from 176 countries around the world.

30.3 Parishad is also maintaining its presence on the Facebook providing latest news about the activities of the Parishad. The Central Office as well as Prants and Branches are equally active on the Facebook to reach out particularly to the younger generation.

31. I take this opportunity to thank all colleagues who tirelessly worked at the branch, state, zone and central levels for their cooperation in strengthening the organization in service of the Nation. Special thanks to Justice Shri Vishnu Sadashiv Kokje, former National President, for framing new Rules and Regulations of the Parishad for their adoption. In all humility, I present this report to the worthy delegates of the National Conference for approval.

December 24, 2016 **- Ajay Dutta,** National Secretary General

****

'प्रसंशा से पिघलना मत, आलोचना से उबलना मत, निस्वार्थ भाव से कर्म कर, क्योंकि इस ''धरा'' का, इस ''धरा'' पर , सब ''धरा'' रह जाएगा'।

BALANCE SHEET AS ON MARCH 31, 2016

S.NO.	LIABILITIES	AMOUNTS ₹	S.NO.	ASSETS	AMOUNTS ₹
I	**CORPUS FUND**	3,86,68,272	I	**FIXED ASSETS**	1,27,70,187
II	**RESERVE & SURPLUS**	2,26,04,785	II	**INVESTMENTS**	7,66,06,829
III	**Project Accounts**	2,71,67,714	III	**CURRENT ASSETS**	
IV	**CURRENT LIABILITIES**	21,34,550	a)	Cash in hand	25,267
			b)	Bank Balances	6,44,485
			c)	Advance to Staff	
			IV	**LOAN & ADVANCES**	
			a)	Advertisement Receivable	1,27,400
			b)	Other Loand & Advances	4,01,152
	Total	**9,05,75,320**			**9,05,75,320**

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2016

Particulars	Amounts ₹	Particulars	Amounts ₹
To Payments to Staff	14,20,780	By Contribution from members	1,09,80,880
To Sanskar Projects Expenses (Net)	1,95,070	By Affiliation Fees	9,300
To Building Repair & Maint.Expenses	3,50,000	By Bank Interest	18,53,671
To Electricity Expenses & Water Expenses	3,74,092	By Donational/Misc.Receipts & Adv.	6,79,035
To Conveyance	11,293	By Literature Contribution	51, 43,914
To Audit Fee	34,500	By Gyan Prabha Annual	
To Ground Rent, DDA	39,752	Membership fee	1,480
To House Tax/Other Expenses	17,550		
To Meeting/Conferences Expenses	5,39,131		
To Office Expenses	79,550		
To Postage & Courier Expenses	15,849		
To Printing & Stationary Expenses	58,116		
To Telephone Expenses	81,100		
To Travelling Expenses	17,36,167		
To NITI Expenses	41,39,015		
To Literature Expenses	41,54,996		
To Miscellaneous Expenses	3,04,699		
To Depreciation	1,07,932		
To Income Tax	8,140		
To Amount Trf to Building Fund	15,00,000		
To Amount transferred to General Reserve	20,00,000		
To Surplus of the year	15,00,549		
Total	**18,668,280**		**18,668,208**

Sitaram Pareek
National President

Ajay Dutta
National Secy. General

Om Prakash Kanoongo
National Finance Secretary

As per report of even date
for Matta & Associates CA

Anil Matta (Partner)
FRN-004259N
Membersship No. 084835

'हमें ऐसी शिक्षा चाहिए, जिससे चरित्र का निर्माण हो। मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैर पर खड़ा हो सके। - स्वामी विवेकानन्द'।

मकर संक्रान्ति

मकर संक्रान्ति हिन्दुओं का प्रमुख पर्व है। मकर संक्रान्ति पूरे भारत और नेपाल में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। पौष मास में जब सूर्य मकर राशि पर आता है तभी इस पर्व को मनाया जाता है। यह त्यौहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है क्योंकि इसी दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है। मकर संक्रान्ति के दिन से ही सूर्य उत्तरायण गति भी प्रारम्भ होती है। इसलिए इस पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायणी भी कहते हैं तमिलनाडु में इसे पोंगल नामक उत्सव के रूप में मनाते हैं जबकि कर्नाटक, केरल, आन्ध्र प्रदेश तथा तेलंगाना में इसे संक्रान्ति ही कहते हैं।

यह भारतवर्ष तथा नेपाल के सभी प्रान्तों में अलग-अलग नाम व भाँति-भाँति के रीति-रिवाजों द्वारा भक्ति एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया जाता है। मकर संक्रान्ति के दिन किसान अपनी अच्छी सफल के लिए भगवान को धन्यवाद देकर अपनी अनुकम्पा को सदैव लोगों पर बनाये रखने का आशीर्वाद माँगते हैं। इसलिए मकर संक्रान्ति के त्यौहार का फसलों एवं किसानों के त्यौहार के नाम से भी जाना जाता है। नेपाल में मकर संक्रान्ति को माघे-संक्रान्ति, सूर्योत्तरायण और थारू समुदाय में माघी कहा जाता है। इस दिन नेपाल सरकार सार्वजनिक छुट्टी देती है। थारू समुदाय का यह सबसे प्रमुख त्यौहार है। नेपाल के बाकी समुदाय भी तीर्थ स्थल में स्नान करके दान-धर्म आदि करते हैं और तिल, घी, शर्करा और कन्दमूल खाकर धूमधाम से मनाते हैं। वे नदियों के संगम पर लाखों की संख्या में नहाने के लिए जाते हैं। तीर्थ स्थलों में रूरूधाम (देवघाट) व त्रिवेणी मेला सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है।

सम्पूर्ण भारत में मकर संक्रान्ति विभिन्न रूपों में मनाया जाता है। विभिन्न प्रान्तों में इस त्यौहार को मनाने के जितने अधिक रूप प्रचलित हैं उतने किसी अन्य पर्व में नहीं। **हरियाणा और पंजाब** में इसे लोहड़ी के रूप में एक दिन पूर्व 13 जनवरी को ही मनाया जाता है। इस दिन अंधेरा होते ही आग जलाकर अग्निदेव की पूजा करते हुए तिल, गुड़, चावल और भुने हुए मक्के की आहुति दी जाती है। इस सामग्री को तिलचौली कहा जाता है। इस अवसर पर लोग मूंगफली, तिल की बनी हुई गजक और रेवड़ियाँ आपस में बांटकर खुशियाँ मनाते हैं। बहुएँ घर-घर जाकर लोकगीत गाकर लोहड़ी माँगती हैं। नई बहू और नवजात बच्चे के लिए लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इसके साथ पारम्परिक मक्के की रोटी और सरसो के साग का आनन्द भी उठाया जाता है। **उत्तर प्रदेश** में यह मुख्य रूप से 'दान का पर्व' है। इलाहाबाद में गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर प्रत्येक वर्ष एक माह तक माघ मेला लगता है जिसे माघ मेले के नाम से जाना जाता है। 14 जनवरी से ही इलाहाबाद में हर साल माघ की शुरुआत होती है। 14 दिसम्बर से 14 जनवरी तक पूरे एक महीने किसी भी अच्छे काम को अंजाम भी नहीं दिया जाता था। मसलन शादी-ब्याह नहीं किये जाते थे परन्तु अब समय के साथ लोग बदल गये हैं। परन्तु फिर भी ऐसा विश्वास है कि 14 जनवरी यानी मकर संक्रान्ति से पृथ्वी पर अच्छे दिनों की शुरुआत होती है। इस दिन गंगा स्नान करके तिल के मिष्ठान आदि को ब्राह्मणों व पूज्य व्यक्तियों को दान दिया जाता है। इस पर्व पर क्षेत्र में गंगा एवं रामगंगा घाटों पर बड़े-बड़े मेले लगते हैं। समूचे उत्तर प्रदेश मे इस व्रत को खिचड़ी के नाम से जाना जाता है तथा इस दिन खिचड़ी खाने एवं खिचड़ी दान देने का अत्यधिक महत्व होता है। **बिहार** में मकर संक्रान्ति को खिचड़ी नाम से जाना जाता है। इस दिन उड़द, चावल, तिल, चिवड़ा, गौ, स्वर्ण, ऊनी वस्त्र, कम्बल आदि दान करने का अपना महत्व है। **महाराष्ट्र** में इस दिन सभी विवाहित महिलाएँ अपनी पहली संक्रान्ति पर कपास, तेल व नमक आदि चीजें अन्य सुहागिन महिलाओं को दान करती हैं। तिल-गुड़ नामक हलवे के बांटने की प्रथा भी है। लोग एक दूसरे को तिल गुड़ देते हैं और देते समय बोलते हैं - तिल गुड़ लो और मीठा-मीठा बोलो। **बंगाल** में इस पर्व पर स्नान के पश्चात तिल दान करने की प्रथा है। यहाँ गंगासागर में प्रतिवर्ष मेला लगता है। मकर संक्रान्ति के दिन गंगा जी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर मे जा मिली थी। मान्यता यह भी है कि इस दिन यशोदा ने श्रीकृष्ण को प्राप्त करने के लिए व्रत किया था। इस दिन गंगासागर मे स्नान दान के लिए लाखों लोगों की भीड़ होती है। इस लिए कहा जाता है -सारे तीरथ बार-बार गंगा सागर एक बार। **तमिलनाडु** में इस त्यौहार को पोंगल के रूप में चार दिन तक मनाते हैं। प्रथम दिन भोगी-पोंगल, द्वितीय दिन सूर्य-पोंगल, तृतीय दिन मट्टू-पोंगल अता केनू-पोंगल और चौथे व अंतिम दिन कन्या-पोंगल। इस प्रकार पहले दिन कूड़ा करकट इकठ्ठा कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है और तीसरे दिन पशु धन की पूजा की जाती है। पोंगल मनाने के लिए स्नान करके खुले आंगन मे मिट्टी के बर्तन में खीर बनाई जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्य देव को नैवैद्य चढ़ाया जाता है। उसके बाद खीर को प्रसाद के रूप में सभी ग्रहण करते हैं। इस दिन बेटी और जमाई राजा का विशेष रूप से स्वागत किया जाता है। **असम** में मकर संक्रान्ति को माघ-बिहू अथवा भोगाली-बिहू के नाम से मानते हैं। **राजस्थान** में इस पर्व पर सुहागन महिलाएँ अपनी सास को बायना देकर आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। साथ ही महिलाएँ किसी भी सौभाग्य सूचक वस्तु का चौदह की संख्या में पूजन एवं संकल्प कर चौदह ब्राह्मणों को दान देती हैं। इस प्रकार मकर संक्रान्ति के माध्यम से भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की झलक विविध रूपों में दिखती है।

REGIONAL MAHILA SAMMELAN

East Region : Kolkata (West Bengal) The sammelon of Regional Mahila Sahbhagita was conducted in Ramakrishna mission Kolkata. 30 delegates from 4 prants graced with national and regional office bearers. Smt. Anyani Burman of Dhyan Foundation inaugurated the sammelon. Swami Supernanand ji Maharaj Secretary of R.K. Mission gave valedictory speech. Dr. Reeta Bhattacharya, Geeta patnayak make fabulous arrangements.

Central Region : Udaipur (Rajasthan South) Mahila Sammelan was attended by 135 Mahila workers of BVP from Prant of Central Region. Smt. Rajni Dange ex. Mayor was the chief guest. Shri Ajay Datta Secretary General, Arun Daga Dr. Jai Raj Acharya was also present. Developing women leadership in BVP was discussed. Chief Guest appealed the ladies to participate in service activities and Sanskar projects. Chanda Sathe Sampark Pramukh also delivered thought provoking speech on role of ladies in social reconstruction; Smt. Jyoti Jain explained the idea behind women freedom. Dr. Rajkumari Bhargav presented power point presentation on Beti Bachao. Sushma Kumavat state convenor for ladies explained women security and laws. Krishna Chauhan director state research and training institute spoke on Role of Mother in developing girl child. Group discussions on career ambition of woman, independent status, and social behavior in networking was discussed by Anita Jain, Sushma Mehndiratta. Mohini Singhal and Basanti Harsh. In the concluding session Dr. Santosh Godha summarized the day long discussions. State minister and our member Smt. Kiran Maheshwari remembered the grass route work done by BVP. She extended all possible assistance to parishad work. Shri P.K Jain delivered presidential address. Dr. Usha Kumavat and Rekha Dhakar conducted the sammelan.

North Region : Mahila Sammelan was conducted at Patiala where 578 Mahila delegates from 15 prants attended the sammelan. Shri Prem Goyal senior social worker asked for active participation of ladies in social work. Sadhvi Vaishnavi Bharti, Swavet Malik MP, S.K. Wadhwa addressed the delegates. Shri Ajay Dutta, Avinash Sharma, Sashi Azad and Rajesh Sehgal participated in the sammelan.

South Region : South Region Sammelan was conducted at Dharwad on 3-4 December 2016. Justice M. Rama Jois addressed the delegates. He stressed the emergence of women leadership in BVP. He asked to participate in Sanskar Projects. 272 delegated from 6 prants were present.

North Central Region : Sammelan was organized at Agra where 550 delegates from 11 prants were present. Dr. Chandra Kala Pahariya V.C., Swati Singh BJPMM. Savitri Varshney, Usha Asthana attended the Sammelan. An attractive cultural programme based on 5 BVP Sutra was presented by local ladies. Dr. Nirja Bajpai and Dr. Rachna Agarwal displayed diet chart for ladies and documentary Jivan Chakra.

West Region : Mahila Sammelan for Gujarat State was organized at Ahmedavad. 90 delegates from 7 prants were present. Shri Shatabdi Pandey Chairperson of Mahila Bal Vikas Chhattisgarh state stressed the development of woman leadership in BVP. Shri Ajit Bhan Shah. S.R.Pareek, National President. Avinash Sharma, Mangla Savadikar and Sujata Khalawakar made impressive discussions in Mahila Sammelan.

केन्द्रीय कार्यालय के मीडिया सेल का शुभारंभ

नवम्बर, 2016 से केन्द्रीय कार्यालय में मीडिया सेल का शुभारम्भ हो गया है। श्री मुकेश गुप्ता मोबाइल नं. 9810472458 के द्वारा केन्द्रीय सूचनाओं की जानकारी तथा अपडेट प्रदान करेंगे। यह नम्बर व्हाटसएप्प के लिए भी उपलब्ध रहेगा। आगामी मार्च तक सभी शाखाओं के सदस्यों की सूची, शाखा के फेसबुक अकाउन्ट तथा प्रान्तीय वेबसाइट, फेसबुक अकाउन्ट केन्द्र से लिंक करने की योजना है। कृपया समस्त शाखाओं में कम्प्यूटर विशेषज्ञों को जोड़ने का प्रयास करें। -सम्पादक

42ND NGSC CONCLUDED AT PUNE

The prestigious 42nd national level competition of group song was concluded in Alandi fruit wale Dharamshala in a beautiful auditorium. 52 teams from all over the country reached Pune to perform their best ever performance. It was looking like miniature India. Coincidently when neighboring states are fighting for water supply and resource utilization, the youths from all states were singing inspired patriotic songs on one platform. It is the real achievement of BVP. Dignitaries from national leadership Shri Sitaram Pareek, National President, O.P.Kanoongo, National Finance Secretary, S.K.Jain Chairman NGSC, Dr. Tribhuman Sharma National Secretary and Vinod Bhai Shah Regional Secretary witnessed the disciplined, inspiring and fabulous performances of the teams.

Opening the event Shri Abhay Kumar ji Firodiya an industrialist stressed the need of inculcating national sprit among the students. He said the genuine secularism means Hinduism only. He defined हि means violence दू means unhappy. Hindu always grieves due to violence. He admired the efforts of BVP. He sighted that the gaining of real Knowledge is "Gyan".

The teams were very much excited in the presence of Dr. S.B. Majumdar founder director of symbiosis institute, to give away the prizes to the winners. Dr. Majumdar was highly impressed by the performance of different teams. He remarked that such events are useful in protecting moral values. Traditional folk songs, Sanskrit Songs and patriotic songs were performed. Results were as under.

REGIONAL FOLK SONG

1) Dyanyacity Modern Gurukul (Uttrakhand)
2) T.R.S. School (Rajasthan)
3) Sampurn Kendriya Vidyalaya (Assam)

HINDI PATRIOTIC SONG

1) D.A.V School Amritsar (Punjab North)
2) Public School, Panvel (Maharashtra Konkan)
3) R.D. Convent School, Gwalior (Madhya Bharat North)

SANSKRIT SONG

1) B.C.M.Arya School, Ludhiana (Punjab West)
2) Rajkamal Sarswati Vidya Mandir, Dhanbad (Jharkhand)
3) Krishna Public Schoo,Raipur (Chhattisgarh)

Incidentally the event was organized earlier in 1996 when 32 teams participated; after 20 years the no of teams were 52. Rajender Jog National Secretary was the Chief Convenor. All the management was monitored by D.B. Chitle, additional secretary general west region. The participants were highly inspired and satisfied by the arrangements made by Prashant Bhogate, Lalit Sharma Amit Takkar Anirudh Tadkar, Arti Srinivas Sachin and Nitin. A unique theme was offered to the participants to serve a peculiar dinner with heritage sweet dish. 52 teams were linked with 52 families for the same. The event was concluded with a common song "Desh Hame Deta Hai Sab Kuch" followed by national anthem.

श्री मनोज अवस्थी, सह सम्पादक 'नीति'

पाठकों के निरन्तर आग्रह पर 'नीति' को अधिक उपयोगी और आकर्षक बनाने के क्रम में श्री मनोज अवस्थी को सह सम्पादक की नियुक्ति शीर्ष मंडल के द्वारा की गई है। श्री अवस्थी दिल्ली विश्व विद्यालय से स्नातक, बहुप्रतिष्ठित कम्पनी के उपमहाप्रबन्धक पद पर कार्यरत हैं। पत्रकारिता एवं लेखन में विशेष रूचि है। सम्प्रति पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रान्त के उपाध्यक्ष के रूप में प्रान्त में 10 नई शाखाओं को खोलने में उनकी प्रमुख भूमिका रही। बधाई -सम्पादक

मोदीनगर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : शाखा द्वारा 13 नवम्बर को 'रक्तदान जागरूकता रैली' का आयोजन मोदीनगर शहर में किया गया। विश्वबन्धु सचदेवा, अध्यक्ष ने बताया कि रक्त का दान महादान है। शिक्षित व सभ्य समाज के नागरिकों को देश की भलाई हेतु निरन्तर रक्तदान करना चाहिए। डॉ. गौरव भाटिया व डॉ. कपिल शर्मा ने रैली में उपस्थित बच्चों तथा जन समाज को विभिन्न ब्लड ग्रुप व उनके परस्पर मिलान की जानकारी भी दी।

14 नवम्बर को 'शहीदों के नाम-रक्तदान' शिविर का अग्रसेन चौक, मोदीनगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रान्तीय उपाध्यक्ष मनोज अवस्थी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर डॉ. पवन सिंघल, संरक्षक व थाना अध्यक्ष अशोक शर्मा उपस्थित थें 146 व्यक्तियों ने रक्तदान हेतु समपक्र किया तथा 106 यूनिट रक्तदान हुआ। प्रमुख भूमिका में विवेक भाटिया, दिव्या मलिक, अतुल शर्मा, विपिन गोयल, अजय दीक्षित, मीनू अरोड़ा आदि रहे।

वसुन्धरा-गाजियाबाद : शाखा द्वारा दिव्यांग सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 44 दिव्यागों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। राजकुमार अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष ने बताया कि शाखा सचिव राजकुमार गुप्ता के पिता जी के 90वें जन्मदिन पर शिविर लगाया गया। सम्पूर्ण वित्तीय सहायता गुप्ता परिवार द्वारा प्रदान की गई। शिविर का आयोजन भारत विकास फाउण्डेशन, दिलशाद गार्डेन में किया गया।

समर्पण देहरादून, उत्तराखण्ड पश्चिम : शाखा द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन हिमाचल इस्टीट्यूट ऑफ डेण्टल साइन्स के विशेषज्ञों की सहायता से किया गया। शिविर में 265 स्थानीय लोगों ने दन्त परीक्षण रिया गया। शिविर में डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. फोजिया सुल्तान, डॉ. हिना शर्मा, डॉ. रितिका, डॉ. श्रेया आदि ने विशेष सहयोग तथा कार्यक्रम संयोजक राजीव सक्सैना सचिव रहे।

समृद्धि मुजफ्फरनगर, हस्तिनापुर : 12 नवम्बर को शाखा द्वारा बहुचिकित्सीय स्वास्थ्य जांच शिविर जैन कन्या पाठशाला इण्टर कॉलेज नई मण्डी मुजफ्फरनगर में लगाया गया। इसमें 600 से अधिक छात्राएँ लाभांवित हुई। इस चिकित्सीय शिविर में सामान्य रोग विशेषज्ञ, पैथोलॉजीस्ट, दन्त चिकित्सक, नेत्र चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट की सहभागिता रही। प्रधानाचार्य डॉ. कंचन प्रभा शुक्ल ने विद्यालय में विशेष सभा बुलाकर पोषक तत्व आधारित भोजन जैसे दलहन, तिलहन, चना आदि सेवन पर जोर दिया। मनोज सेठी, शाखा अध्यक्ष, डॉ. शुभांग भारद्वाज, सचिव के साथ किरन रानी, सुनीता सहगल, वर्षा सेठ, वैशाली शर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा।

तेजस्विनी-इलाहाबाद, प्रयाग : शाखा द्वारा कमला नेहरु अस्पताल में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन नारायणी आश्रम शिवपुरी में मनाया गया। 150 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण गंगा मेमोरियल स्कूल राजापुर में किया गया। शिक्षक सम्मान और हिन्दी दिवस पर 8 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। हिन्दी दिवस पर श्रीमती रश्मि कुमार ने उद्बोधन दिया। वरदान केयर सेन्टर, झांसी में गांधी जयन्ती मनाई गई। माउण्ट लिट्रा स्कूल में स्वच्छ भारत अभियान तथा आर्ट प्रतियोगिता हुई। एम.एस. कॉन्वेंट स्कूल में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कटघर अनाथालय में बच्चों को मिठाई, दैनिक सामग्री मोमबत्ती बांटी गई। भारत को जानो प्रतियोगिता में 650 बच्चों ने भाग लिया। अध्यक्ष मधुबाला श्रीवास्तव तथा मंजू वर्मा, विभा अग्रवाल ने सहयोग किया।

लुधियाना, पंजाब पश्चिम : भारत विकास परिषद् चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अक्टूबर माह में दिव्यांग सहायता योजना के अन्तर्गत 4 नि:शुल्क शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें 115 दिव्यागों को 120 कृत्रिम अंग, कैलिपर, व्हीलचेयर तथा हियरिंग ऐड बांटे गये। साथ हीं हरी बस्सी पोलियों सर्जरी अस्पताल में डॉ. किचलू तथा टैक ऑटो प्राइवेट लि. के सहयोग से 8 मरीजों के 14 सफलतापूर्वक ऑपरेशन किये गये। काहन चन्द्र अग्रवाल पोलिक्लिनिक में 1250 मरीजों का उपचार किया गयां 164 होम्योपैथ, 138 आयुर्वेद, 18 आँखों, 8 स्त्री रोग, 90 दांतों, 613 हड्डियों की बीमारी, 218 एक्यूप्रेशर/एक्यूपंचर आदि मरीजों ने इलाज करवाया।

चण्डीगढ़ पूर्व, पंजाब पूर्व : शाखा द्वारा 36वाँ रक्तदान शिविर का आयोजन लक्ष्मी नारायण मंदिर धर्मशाला सेक्टर-20 में

किया गया। यह आर्मी कमाण्ड हॉस्पिटल तथा पी.जी.ई. चण्डीगढ़ के सहयोग से कराया गया था। कुल 96 यूनिट रक्तदान हुआ।

छीपा बडौद, राजस्थान दक्षिण पूर्व : शाखा द्वारा आयोजित नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 710 मरीजों की जांच की गई। 353 मोतियाबिल्द ऑपरेशन योग्य मरीजों को चिन्हित कर नेत्र चिकित्सालय रेफर किया गया। शिविर में कोटा, बारां, खानपुर, श्योपुर, गुन्ना, पीपलडा, दीगोद, अटरू, किशनगंज, भरतपुर के मरीज सम्मिलित हुए।

रामगढ़, राजस्थान उत्तर पूर्व : शाखा द्वारा प्रकाश चन्द्र जैन की स्मृति में विशाल नेत्र शिविर लगाया गया। शिविर में 300 मरीजों का परीक्षण हुआ और 66 मरीजों के ऑपरेशन मुरलीधर कृपा अस्पताल में सम्पन्न हुआ। श्री देवीलाल धाकड़, श्रीमती संध्या देवी, श्री महावीर जैन ने सहयोग किया।

सांचोर, राजस्थान पश्चिम : ट्रस्ट द्वारा संचालित प्राथमिक चिकित्सालय के विकलांग सहायता केन्द्र पर 3396 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। श्रीमती गेरीबेन सिरेमल बुरड़ परिवार के सौजन्य से नि:शुल्क दवा वितरण किया गया। गत दो महीनों मं फिजियोंथेरेपी केन्द्र पर 2577 मरीजों की सहायता प्रदान की गई। पुनर्वास केन्द्र पर 105 दिव्यांगों को हरीश कुमार मिश्रीमल जी एवं श्रीमाल मुम्बई के सौजन्य से लाभान्वित हुए।

शामगढ़, मध्य भारत पश्चिम : शाखा द्वारा विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। लगभग 300 रोगियों ने नेत्र जांच कराया। 66 रोगियों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु रेफर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवीलाल धाकड़ रहे तथा मनोज जैन, प्रान्तीय शाखा विस्तारक स्वाति जायसवाल, भूपेन्द्र जैन, विनोद काला, शाखा अध्यक्ष ने प्रमुख भूमिका निभाई। शाखा द्वारा बच्चों को स्वेटर वितरण करने में सुमेर सिह, राम प्रसाद, प्राचार्य सीराज जी मंसुरी ने सहयोग किया। शाखा विस्तारक मनोज जैन, विनोद काला, बीना जैन, कैलाश चौधरी ने सहभागिता की।

Karimganj, Assam : Branch organised a Free Eye Camp (post operation) on 22nd Nov., 2016 at Anandapur. Cataract patients were operated at Lion's Eye Hospital, Silchar. Dr. Nikhil Sarkar examined the patients and free medicines were distributed.

Badarayana, Karnataka South : A health programme conducted in collaboration of Vasai Club, Bengaluru at National College grounds. S. Satyamurthy, a well known drugless therapist conducted the programme. He was assisted by Dr. Venkatachalapathy , Gen. Secy., Prant and other members of branch.

B Block-Janakpuri, West Delhi :Vishal Sewa Shivir was organized to help the destitute by providing artificial limbs. Artificial limbs were provided to 6 persons. Other than this 3 rotators, 11 hearing aids, 8 wheel chairs, walking sticks wre given. Some poor and needy boys and girls were assisted by 18 Sewing machines and 45 pair of shoes. 500 Notebooks 300 pencils, eraser and other items were given to mentally challenged boys. One static cycles and lumber belt was given worth Rs. 1.5 lakh – Ek Rahat Ashirwad and Vijay Vigyan foundation helped in the project. Major Shyam Sharma appreciated the camp. Rita, poor lady and Ram Prasad a handicapped boy was financially assisted – Mahinder Pahuja of Pappu Panir & O.P.Malik contributed for generous cause in Bharat Ko Jano 817 students appeared in written test from 5 schools.

Ludhiana Charitable Trust, Punjab West : During October 2016 the center provided 120 artificial limbs calipers wheel chairs and hearing aids to 120 physically handicapped. 14 polio corrective surgery to 8 patients were done with help of Tech. Auto private limited. 1250 patients were checked up and medicines were distributed.

Karimganj, Assam : Free cataract detection camp was organized in association with NPCB. 170 patients were checked up and 30 were selected for eye operations. Operation were done by Dr. Jhalak Deb Roy at Lion's eye Hospital Silchar.

Imphal & Imphal City, Manipur : Branch organized free distribution of Tricycles to physically handicapped. In Imphal Shri Suresh Jain and Swadesh Ranjan Goswami along with local office bearers Dr. Rajinder and Smt. Indra Patni were present. A Kaushal Vikas Centre was also inaugurated in the presence of senior office bearers and guest.

गुरु तेग बहादुर का अमर बलिदान

11 नवम्बर 1675, दिल्ली की चांदनी चौक! मुगलिया हुकूमत की क्रूरता देखने के लिए लोग इक्ट्ठे हो रहे थे। लेकिन वे शान्त बैठे हुए थे। प्रभु परमात्मा में लीन। शर्त के मुताविक अगर गुरु तेग बहादुर इस्लाम धर्म कबूल कर लेते हैं तो सब हिन्दुओं को मुस्लिम बनना होगा। बिना कोई जोर जबरदस्ती के। गुरु साहिब तीन महीने से कष्टकारी कैद मे थे। उनके तीन सेवादारों भाई मतिदास, सतीदास और दयाला को बड़ी बेरहमी से मार दिया गया था। लेकिन फिर भी गुरु जी इस्लाम धर्म को अपनाने के लिए तैयार न हुए। औरंगेब के लिए भी यह इज्जत का सवाल था। क्या वह गिनती में छोटे धर्म से हार जाएगा। हिन्दू समाज की सांसे अटकी हुई थी। गुरु जी अडोल बैठे थें किसी का धर्म खतरे में थ। धर्म का अस्तित्व खतरे में था। एक धर्म का सब कुछ दाव पर लगा था। हाँ या ना पर सब कुछ निर्भर था। औरंगजेब लाल किले से निकलकर खुद चल के आया था। सुनहरी मस्जिद के काजी के पास। उसी मस्जिद से कुरान की आयत पढ़ कर यातना देने का फतवा निकलता था। वो मस्जिद आज भी है। गुरु द्वारा सीसगंज चांदनी चौक के पास। आखिरकार जालिम जब उनको झुकाने में कामयाब नहीं हुए तो जल्लाद की तलवार चल चुकी थी और प्रकाश अपने स्रोत में विलीन हो चुका था। ये भारत के इतिहास का एक ऐसा मोड़ था जिसने पूरे हिन्दुस्थान का भविष्य बदलकर रख दिया। हर दिल में रोष था, कुछ समय बाद गोविन्द राय ने जालिम को उसी के अंदाज में जबाब देने के लिए खालसा पंथ का सृजन किया।

गुरु जी का बलिदान स्थल गुरुद्वारा शीशगंज बना। आधीरात शिष्य लुबना गुरु जी के शरीर को बैलगाड़ी पर रकाबगंज गाँव में रखा। सैनिकों के पहुँच जाने पर जुबना ने घर को आग लगा दी और गुरु जी का शरीर अग्नि को समर्पित कर दिया। इस स्थान पर गुरुद्वारा स्थित है। जैता नानू तथा ऊदा नामक शिष्य गुरु जी के सिर को लेकर 5 दिन में 320 किलोमीटर चलकर कीरतपुर पहुँचे जहाँ 16 नवम्बर को गोविन्द सिंह ने अपने पिता का अंतिम संस्कार किया।

दबा, कुचला निर्बल, समाज अब परिपक्व हो चुका था। उनको खालसा बनाया। इज्जत से जीना सिखाया। निर्बल और असहाय की मदद गुरु तेग बहादुर ने हिन्द की चादर बन कर तिलक और जनेऊ की रक्षा की।

फार्म न० 4

नियम संख्या 8

नीति (मासिक) के स्वामित्व और अन्य विवरण जो केन्द्रीय धारा 1956 के अन्तर्गत समाचार पत्रों के पंजीयन के लिए प्रकाशित करना आवश्यक है।

1.	प्रकाशन स्थान	पीतमपुरा, दिल्ली
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	अजय दत्ता
	राष्ट्रीयता	भारतीय
	मुद्रण स्थल	भावना प्रिंटर्स, ए-26, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया फ़ेज-II दिल्ली-110028
	पता	भारत विकास भवन, बीडी ब्लॉक, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली-110034
4.	प्रकाशक	अजय दत्ता
	राष्ट्रीयता	भारतीय
	पता	भारत विकास भवन, बीडी ब्लॉक, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली-110034
5.	प्र०स० का नाम (अवैतनिक)	डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता
	राष्ट्रीयता	भारतीय
	पता	भारत विकास भवन, बीडी ब्लॉक, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली-110034
6.	पत्र के स्वामी का नाम	भारत विकास भवन, बीडी ब्लॉक, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली-110034

मैं, अजय दत्ता, एतद् भारत विकास परिषद् द्वारा यह घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार दिया गया उक्त विवरण सत्य है।

दिनांक : 22 जनवरी, 2016 **अजय दत्ता**

- प्रकाशक ह०

नई शाखाएँ

मण्डोला-गाजियाबाद, पश्चिमी उत्तर प्रदेश (विकास रत्न) : नई शाखा का शुभारम्भ एक सादे समारोह में 13 नवम्बर, 2016 को हुआ। प्रान्तीय अध्यक्ष अरुण सिंहल तथा प्रान्तीय महासचिव प्रो. सतीश चन्द्र गर्ग, ममता शर्मा, प्रान्तीय महिला संयोजिका द्वारा मण्डोला क्षेत्र के पदाधिकारियों को चार्टर प्रदान किया।

क्रासिंग रिपब्लिक-गाजियाबाद : 20 नवम्बर, 2016 को श्री सुरेश जैन, राष्ट्रीय समन्वयक भारत विकास परिषद् द्वारा नई शाखा के पदाधिकारियों को चार्टर प्रदान कर शाखा का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम पैरामाउण्ट सैम्फनी के क्लब में सम्पन्न हुआ। कविता बंसल, अध्यक्ष व संदीप मेहरा सचिव बने। कार्यक्रम में कुलभूषण, अनिरूद्ध अग्रवाल, नवीन कुमार, अरुण सिंघल, सतीश चन्द्र गर्ग आदि उपस्थित रहे।

बारा सिवनी, महाकौशल : शाखा का उद्घाटन 101 सदस्यों के साथ सम्पन्न हुआ। जनपद बालाघाट की 4 तहसीलों में शाखाएँ स्थापित होकर अब प्रान्त के सभी जिलों में शाखाएँ स्थापित हो गई है। स्थापना के अवसर पर प्रान्तीय संरक्षक बी.डी.मतेले, डॉ. इन्दुकान्त द्विवेदी ने सदस्यों से सेवा कार्य करने का आग्रह किया। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री अरुण डागा ने प्रान्त के कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए परिषद् के नीति के अनुसार कार्य संचालन का निर्देश दिया। इस अवसर पर जनपद की समस्त शाखा पदाधिकारियों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता ने संबोधित किया। शाखा अध्यक्ष डॉ. नीरज अरोरा, सचिव अनिल पिपरेवार, कोषाध्यक्ष राहुल अरोरा ने व्यवस्था संभाला।

महिला सशक्तिकरण

महात्मा गाँधी ने कहा था 'महिलाओं और पुरुषों की स्थिति एक समान है परन्तु एक जैसी नहीं'। आज भी हमारे समाज में लड़कियों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता, भेदभाव होता है। न ही उनकी शिक्षा पर, न ही स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। आज महिलाओं को शिक्षित और कार्य कुशल बनाने की जरूरत है। अच्छी शिक्षा और कार्य कौशल सीखने से वे स्वावलंबी हो सकती हैं। इसी से उन्हें शक्ति मिलेगी। इस शक्ति का प्रयोग कर वे समाज में व्यापक हिस्सेदारी निभा सकती हैं। भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में महिलाओं की भी भूमिका थी। एक स्वस्थ, शिक्षित और हुनरमंद महिला, राष्ट्र के लिए संपदा होती है, समृद्धि में योगदान करती है।

गाँव की पंचायतों में महिलाओं को 33% आरंक्षण मिल गया है। वहाँ गाँवों की स्थिति पहले से बेहतर हुई। कई जगह ऐसे भी है जहाँ कम शिक्षित महिलाओं ने मिलकर ऐसा कुछ कर दिखाया जिसे करना आसान नहीं था। रायपुर से 80 किलोमीटर दूर बसना ब्लॉक के चनाऊ की महिलाओं ने मिलकर एक लाख की लागत लगाकर जेट्रोफा की नर्सरी लगाई और उसे बेचकर 17 लाख रुपये की कमाई कर डाली। इसी तरह का उदाहरण है लिज्जत पापड़ का संगठन जिसमें गरीब महिलाओं ने मिल जुलकर विकास और आत्मनिर्भरता के लिए कदम उठाए, आज लिज्जत पापड़ एक बड़ा उद्योग बन गया। (सेल्फ इम्प्लॉयड वीमेन एसोसिएशन) की प्रसिद्ध गाँधीवादी इला भट्ट ने एक से बढ़ कर एक काम किए हैं। लघु ऋण से काम करने वाली महिलाओं में देखा गया है कि वे ईमानदारी से ऋण वापस करती हैं। महिलाएँ न कमजोर होती है और न कम दक्ष। महिलाएँ ऐसी नहीं होती जैसा आज बना दी गई है। यह स्थिति तो समाज के भेदभाव के कारण बनी है। हमें इसे मिटाना है।

देश के विकास में महिलाओं के योगदान की बहुत संभावनाएँ हैं। यह तभी संभव है जब हम उन्हें सामाजिक तौर पर सुरक्षा और आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भरता और अन्याय के खिलाफ आवाज उठा कर चलने की ताकत दें। इन्हें अच्छी शिक्षा, कार्य कौशल देने की सर्वाधिक आवश्यकता है। कदम से कदम मिलाकर चलने दें महिलाओं का ऐसा संकल्प, सशक्तिकरण का मार्ग मजबूत करेगा। -नंदिता झा

पाठक पत्र

- श्री सत्यनारायण मित्तल, प्रशान्त विहार, दिल्ली के वरिष्ठ सदस्य ने केन्द्रीय कार्यालय में उपस्थित होकर नीति के नये और आकर्षक कलेवर के लिए साधुवाद दिया। श्री मित्तल के अनुसार 'नीति' में हुए रोचक परिवर्तनों से नीति अब पारिवारिक पत्रिका बन गई है। यह बच्चों के सद्गुणों के विकास में सहायक है।
- कोई भी प्रकाशन विचारों और सम्पादिक अभिव्यक्ति को प्रकट करने का सशक्त माध्यम होता है। तद्नुरूप 'नीति' पत्रिका परिषद् की वाणी है। इसकी प्रतीक्षा ही इसके सफल एवं उत्तम सम्पादन का प्रमाण है। सारगर्भित विचार, सदस्यों की विचारधाराओं का निचोड़, क्षेत्रों का मार्गदर्शन तथा अव्यक्त समस्याओं का भी समाधान हेतु माध्यम के रूप में पत्रिका के सम्पादन हेतु साधुवाद, आभार। -इं. बी.डी. शर्मा, मेरठ।

उत्तराखण्ड पश्चिम, द्रोण देहरादून : शाखा सदस्य मेजर प्रेमलता वर्मा को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री द्वारा सर्वश्रेष्ठ एन.सी.सी. शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया। इनके पति श्री अनिल वर्मा 97 बार रक्तदान कर चुके हैं।

दिशा बोध

एक यात्री महाकाल के दर्शन की उत्कृष्ट इच्छा लेकर उज्जैन पहुँचा। वह महाआरती में सम्मिलित होना चाहता था। आरती का सही समय उसे ज्ञात नहीं था। अत: सामने आते हुए ऑटो रिक्शा को रोका और मंदिर जाने का किराया पूछा। ऑटो वाले ने दो सौ रुपया बताया। यात्री ने कम करने का आग्रह किया। किन्तु ऑटो रिक्शा चालक टस से मस न हुआ।

किराया अधिक मानकर यात्री पैदल ही चल दिया। लम्बी दूरी पार करने के बाद वही रिक्श वाला उसी रास्ते पर आता हुआ दिखाई पड़ा। यात्री ने फिर उसे रोका और बोला भैय्या आधा रास्ता तो पार हो गया। अब कितना पैसा लोगे। रिक्शे वाले ने कहा कि अब चार सौ रुपये लगेगें। भले आदमी मैने आधी दूरी तो पहले ही पार कर ली है। फिर तुम दुगना किराया क्यों मांग रहे हो। अब तो तुम्हें सौ रुपये लेने चाहिए। महाशय जिस रास्ते से तुम जा रहे हो वह ठीक विपरीत रास्ता है। तुमने रास्ता ही गलत चुना है। अब महाकाल की दूरी दुगनी हो गई है। अत: चार सौ मांग रहा हूँ।

आरती का समय निकला जा रहा था। समय पर पहुँचना मुश्किल था। जो व्यक्ति सही समय पर सही दिशा नहीं चुनता उसकी स्थिति इसी प्रकार होती है। उचित निर्णय, सही दिशा, सफलता के सोपान और लक्ष्य की जानकारी नहीं होने पर व्यक्ति भटक सकता है। मंजिल की दूरियाँ बढ़ जाती हैं तब लक्ष्य प्राप्ति करने में वह असफल हो जाता है। व्यक्ति जब गलत दिशा चुन लेता तो समय, शक्ति और पैसा भी अधिक खर्च होता है। – **शंकरलाल माहेश्वरी** (जिला शिक्षाधिकारी सेवा निवृत्त), भीलवाड़ा

सुखी कौन?

एक दुखी व्यक्ति किसी संत के पास गया और उसने सुखी होने का उपाय पूछने लगा। संत ने उत्तर दिया कि तुम किसी सुखी व्यक्ति का कुरता ले आओ। उसे पहन कर तुम भी सुखी हो जाओगे। वह ऐसा कुरता पाने के लिए भटकता रहा। अन्त में उसे एक साधू दिखाई पड़ा। जो प्रसन्नचित था। मात्र एक धोती पहने हुए था उसने साधू से कुरता मांगा। तो पता चला कि उसके पास तो कोई वस्त्र नहीं है। मात्र एक धोती वह पहने हुए था। उसने साधू को सारा विवरण बताया। साधू कोला – पुत्र दुख तो संग्रह में ही है। सुखी तो मात्र वह ही रह सकता है जो अन्दर से निश्चित है और संसार में किसी वस्तु की कामना उसे नहीं है। जो निर्लिप्त है, निर्विकार है, वही सुखी है। वह मनुष्य दुख के कारणों को समझ गया और हंसता मुस्कराता संत के पास चला गया। संत ने कहा यही सूत्र सुखी रहने का उपाय है। इसी का पालन कर सभी ज्ञानी जन जीवनभर सुखी रह पाते हैं।

पुण्य स्मरण!

डॉ. कन्हैयालाल गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री भारत विकास परिषद् के दायित्व और संगठन की अद्भुत क्षमता तथा कर्मशील व्यक्तित्व के लिए सदैव स्मरण किया जाएगा। परिषद् की स्वर्ण जयन्ती स्मारिका का समयबद्ध प्रकाशन उनकी विशेष उपलब्धि रही। परिषद् में विनम्रता, कर्मठता और क्रमबद्ध विकास के लिए उन्हें स्मरण किया जाएगा। 10 जनवरी को उनकी पुण्य तिथि पर परिषद् परिवार का नमन्। -सम्पादक

देहदान व नेत्रदान

मदनगंज किशनगंज - श्री अशोक जी सांखला (सदस्य) पुत्र श्री मिश्री लाल सांखला के मरणोंपरान्त नेत्रदान प्रभारी संदीप बाल्दी व महासचिव कैलाश अजमेरा द्वारा सम्पन्न हुआ मेडिकल कॉलेज अजमेर द्वारा नेत्रदान कराया गया।

मदनगंज किशनगंज - श्रीमती मंजू सांखला पत्नी श्री अशोक सांखला के मरणोंपरान्त नेत्रदान प्रभारी संदीप बाल्दी व महासचिव कैलाश अजमेरा द्वारा सम्पन्न हुआ मेडिकल कॉलेज अजमेर द्वारा नेत्रदान कराया गया।

मदनगंज किशनगंज - श्री राकेश सांखला पुत्र श्री अशोक साखला के मरणोंपरान्त नेत्रदान प्रभारी संदीप बाल्दी व महासचिव कैलाश अजमेरा द्वारा सम्पन्न हुआ मेडिकल कॉलेज अजमेर द्वारा नेत्रदान कराया गया।

मेरठ (हस्तिनापुर) श्री वंशीधर अग्रवाल पुत्र श्री प्रहलाद राय के मरणोंपरान्त नेत्रदान डॉ. राजेन्द्र गुप्ता (मेरठ) के सहयोग से कराया गया। मेडिकल कॉलेज मेरठ का सहयोग रहा।

रोहतक (हरियाणा दक्षिण) श्री पृथ्वी राज यादव जी ने अपने पिता जी श्री प्रदीप कुमार यादव के मरणोंपरान्त जिला सचिव एवं नेत्रदान प्रमुख अशोक कुमार गुप्ता के सहयोग से पी.जी.आई. हॉस्पिटल को करवाया।

रोहतक (हरियाणा दक्षिण) श्री अतुल जैन जी ने अपने पिता जी श्री रमेश चन्द्र जैन एवं नेत्रदान प्रमुख अशोक कुमार गुप्ता के सहयोग से पी.जी.आई. हॉस्पिटल को करवाया।

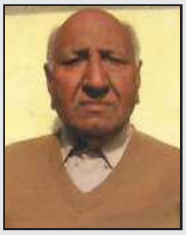

रोहतक (हरियाणा दक्षिण) श्री राजेश कुमार जी ने अपने पिता जी श्री कृष्ण कुमार खन्ना के मरणोंपरान्त जिला सचिव एवं नेत्रदान प्रमुख अशोक कुमार गुप्ता के सहयोग से पी.जी. आई. हॉस्पिटल को करवाया।

अभिनव मेरठ, हस्तिनापुर : शाखा के सदस्य श्री एस.के.गौड़ के मरणोंपरान्त उनके संकल्प एवं इच्छानुसार मानवता की भलाई हेतु परिवार द्वारा उनके पार्थिव शरीर को एल.एल.आर.एम. मेडिकल कॉलेज, मेरठ को दान किया गया।

सांखला परिवार के सदस्यों पति, पत्नी तथा पुत्र का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। पुत्र राकेश का विवाह 11 नवम्बर, 2016 को सम्पन्न हुआ था। सांखला परिवार के प्रति सम्वेदना।

''हंसते-हंसते कीजिए रक्तदान का काम, ताकि दु:खियों को मिले जीवन दान''।

आओ कुछ हंस लें-

1. **टीचर** - चांद पर पहला कदम किसने रखा था।

   बंटी - जी नील आर्मस्ट्रांग

   टीचर - राइट! और दूसरा

   बंटी - दूसरा भी उसने ही रखा होगा सर। एक कदम चलकर वह वापस थोड़े ही आ गया होगा।

2. **राम प्यारे** बाल कटवाने सैलून मे गया।

   सैलून वाला - बाल छोटे करवाने हैं?

   राम प्यारे - बड़े हो सकते हैं क्या।

3. **भिखारी** - क्या बात है साहब। पहले आप सौ रुपये देते थे। बाद मे पचास, फिर पच्चीस, फिर दस।

   साहब - पहले मैं कुंवारा था तो सौ देता था। फिर मेरी शादी हो गई तो पचास। एक बच्चा हो गया तो पच्चीस, दो बच्चे है तो दस देता हूँ।

   भिखारी - वाह साहब पूरे परिवार को मैरे पैसे से ऐश करवा रहे हो।

4. **एक आदमी** शादी का कार्ड लेकर ढ़ाई लाख रुपये लेने बैंक गया।

   3 घण्टे बाद बैंक कर्मी ने कहा पैसे नहीं मिलेंगे। उसने पूछा क्यों

   तो बैंक कर्मी ने कहा 40 साल पुराना कार्ड नहीं चलेगा।

   आदमी - हद है भाई - अब ढ़ाई लाख के लिए नई शादी करूँ क्या?

5. **एक सवाल**

   अगर बैंक की लाइन में मृत्यु के जिम्मेदार मोदी है तो हजारो निर्दोष सिखों की हत्या का जिम्मेदार कौन है?

   1947 के नरसंहार का जिम्मेदार कौन है? तो हजारों कश्मीरी पंडितों के नरसंहार का जिम्मेदार कौन है?

   बस वैसे ही पूछ रहा हूँ।

   एक और सवाल

   सुप्रीम कोट सरकार से पूछ रही है कि दस दिनों से पैसे के लिए लोग कतार में खड़े हैं। उनके लिए सरकार क्या कर रही है।

   हम सुप्रीम कोर्ट से पूछते हैं कि सामान्य लोग न्याय के लिए वर्षों आपके दरवाजे पर चक्कर काटते हैं और कुछ मर भी जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट क्या कर रही है?

6. **एक दुकानदार** चिल्ला चिल्लाकर पैराशूट बेच रहा था। हवाई जहाज से कूदो, बटन दबाओ और सुरक्षित जमीन पर पहुँचो।

   कस्टमर - अगर पैराशूट न खुला तो?

   दुकानदार - तो पैसा वापस।

7. **रामू और श्यामू को** तीन बम मिले। दोनों उन्हें लेकर पुलिस को देने चल दिये।

   रामू - अगर कोई बम रास्ते में फट गया तो।

   श्यामू - तो कह देंगे हमें दो ही बम मिले थे।

8. **ग्राहक** - देखो इस लस्सी में मच्छर है। अब मैं इसे नहीं पी सकता।

   दुकानदार - थोड़ा बड़ा दिल रखो सर। ये नन्ही सी जान तुम्हारी कितनी लस्सी पी जाएगी।

9. **पड़ोसी** - क्यों मार रहे हो रामू को। डैड - कल सुबह इसका रिजल्ट आने वाला है।

   पड़ोसी - लेकिन आज क्यों मार रहे हो। डैड - कल मैं बाहर जा रहा हूँ।

मेरा पत्र मेरा संदेश

एक बार इजरायल देश का अपने पड़ोसी देशों से तीस दिन युद्ध चला। सेनापति ने अपने प्रधानमंत्री को फोन किया। सर! हमारे हजारों सैनिक शहीद हो चुके हैं। केवल 40000 सैनिक बचे हैं। दुश्मन की सेना में दो लाख सैनिक शहीद हैं। यदि युद्ध दो दिन और चला तो हमारी हार निश्चित है। दुश्मन अपने देश पर कब्जा करके हमें गुलाम बना सकती है। बड़े धैर्य के साथ टी.वी. पर प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

प्रिय विद्यार्थियों।

हमारे हजारों सैनिक युद्ध में शहीद हो चुके हैं। दुश्मन के पास लाखों सैनिक हैं हमारी सेना पीछे हट रही है। देश गुलाम हो सकता है। अब केवल आप ही देश को बचा सकते हैं। आज आपका इजरायल देश आपकी शक्ति, पराक्रम, आपका खून और बलिदान मांग रहा है। आज रात ग्यारह बजे अपने निकटतम रेलवे स्टेशन से गाड़ी सीमा पर जायेगी। आपसे मेरी हाथ जोड़ कर विनती है कि कॉपी-किताब, कलम छोड़कर जो भी अस्त्र शस्त्र, भला बरछा, गडास, तलवार, गोली, बन्दूक मिले उसे लेकर युद्ध भूमि में पहुँच जाएँ।

रातो ही रात 5 लाख विद्यार्थी सीमा पर पहुँच कर युद्ध करने लगे। दुश्मन की सेना में खलबली मच गई। उसके लाखों सैनिक मारे गये। देश के विद्यार्थियों ने देश को गुलाम होने से बचा लिया। सेनापति ने यह समाचार प्रधानमंत्री को दिया तो खुशी के मारे प्रधानमंत्री की आँखों में आँसू आ गये। विद्यार्थियों ने इस विजय श्री का सेहरा प्रधानमंत्री को दिया और कहा कि आपने हमें देश के लिए कुछ करने का अवसर दिया।

मेरे प्यारे विद्यार्थियों

आज काला धन, भ्रष्टाचार, भ्रष्ट नेता, जमाखोर, आतंकवाद और राहू केतू आदि दुश्मन सब एक साथ मिलकर देश पर लगातार आक्रमण कर रहे हैं। इन सबसे लड़ने के लिए आज मैं हाथ जोड़कर और सर झुकाकर आपका आह्वान करता हूँ। इस संकट और आपातकाल में मैं आपका समर्थन और सहयोग चाहता हूँ। आज आप काले धन से देश को बचा लीजिए।

आपका प्रधान सेवक - नरेन्द्र मोदी

हमारा कर्म और हमारी सोच जीवन बदल देती है

कई बार हम दूसरो की बातों में आकर यह निर्धारित कर लेते हैं कि हम तो ये काम कर ही नहीं सकते। परन्तु ये तो हमारी सोच ही है जो हमें आगे बढ़ने नहीं देती। अगर हम सच्चे दिल से, पूरी शक्ति से कुछ करने की ठान लें तो कुछ भी असंभव नहीं है। ऐसा ही एक वृतांत है। एक बार किसी गाँव के लिए ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी कि की यहाँ पर अगले सात वर्षों तक बारिश नहीं होगी। यह सुन कर गाँववासी बहुत ज्यादा परेशान हो गये। उन्होंने उस गाँव को छोड़ने का निर्णय लिया। लेकिन एक किसान को अपने गाँव से बहुत ज्यादा लगाव था। उसने देखा सभी गाँव छोड़ कर जा रहे हैं, परन्तु उसने निर्णय लिया कि वो गाँव छोड़ कर कहीं नहीं जायेगा वहीं पर रहेगा। परन्तु उसके मन में भी एक अजीब सा डर था। उसने अपने हल और दूसरे खेती करने वाले औजार एक तरफ रख दिए और सोचा अब सात सालो तक बारिश तो होगी नहीं फिर हल आदि का क्या काम। पर एकदम उसके मन में ख्याल आया वर्षा तो सात सालो तक नहीं आएगी अगर मैंने हल नहीं चलाया तो कही मैं हल चलाना ही न भूल जाऊँ। यह सोचकर वो अपने खेत में हल चला कर खेत जोतने लगा। इसी तरह कई दिन, महीने बीत गये। उसको मन में ये खुशी थी कि वो तो अपना काम कर रहा है।, उसका अभ्यास भी बना ही रहेगा। एक दिन जब वो अपना खेत जोत रहा था, एक पानी की बदली खेत के ऊपर से गुजर रही थी। उसने किसान से कहा-भाई तुमने सुना नहीं यहाँ सात सालो तक वर्षा नहीं होगी फिर तुम क्यों खेत जोत रहे हो? ये सुन कर किसान ने कहा मैं अपना कार्य कर रहा हूँ। नहीं तो इतनी लम्बी अवधि में तो मैं खेती करना ही भूल जाऊँगा। जब बदली ने ये सुना तो उसके भी मन में आया कहीं इतने वर्षों में वो बरसना भूल गई तो। वो बरसने लगी। उसको बरसती देख कर अन्य बदलियाँ भी वहाँ आ गई और बरसना भूलने वाली बात सुन कर सभी झमाझम बरसने लगी। ये हमारी सोच ही है जो हमें जिता भी सकती है और हरा भी। अगर हम परिस्थितियों से हार मान लेंगे तो कभी जीत नहीं सकते पर अगर हम परिस्थितियों का डट कर मुकाबला करेंगे तो एक दिन जरूर सफल होंगे। -**गुंजन गोयल**, हिसार।

भारत को जानो

हस्तिनापुर : भारत को जानो की प्रान्तीय प्रतियोगिता सिटी वोकेशनल पब्लिक स्कूल मेरठ में सम्पन्न हुआ। 7 जिलों की टीम ने भाग लिया। कनिष्ठ वर्ग में मुजफ्फरनगर संकल्प की टीम एम.जी.पब्लिक स्कूल तथा वरिष्ठ वर्ग में अभिनव मेरठ शाखा की सुरेश देवी हेमचन्द्र सरस्वती ज्ञान मंदिर की टीम विजेता रही। प्रान्तीय अधिकारियों ने सहभागिता की।

मेरठ मेन : शाखा द्वारा भारत को जानो प्रश्न मंच का आयोजन आधुनिक तकनीक कम्प्यूटर व बजर के आधार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रेम मेहता ने भारत विकास परिषद् द्वारा सेवा व संस्कार के किए जा रहे कार्यों की सराहना की। 20 विद्यालयों ने भाग लिया। वरिष्ठ वर्ग में आर्मी पब्लिक स्कूल तथा कनिष्ठ वर्ग में के.एल. पब्लिक स्कूल की टीमों ने प्रथम स्थान प्रान्त किया। कार्यक्रम को सफलत बनाने में के.जी. अग्रवाल, पंकज कंसल, डॉ. भरत, अधीर मांगलिक, संदीप कुमार, सुदेश कुमार, सुरभि वर्मा का विशेष योगदान रहा।

ब्रह्मावर्त : प्रान्तीय भारत को जानो प्रतियोगिता में 14 टीमों ने भाग लिया। डॉ. राजेन्द्र बहादुर श्रीवास्तव, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री, श्री रामशरण श्रीवास्तव, राष्ट्रीय संरक्षक उपस्थित रहे। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। श्री भारत भूषण जुनेजा ने प्रतियोगिता सम्पन्न कराई।

किदवई नगर कानपुर : भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन महाराजा अग्रसेन भवन (किदवईनगर) में किया गया। 10 विद्यालयों की टीमों ने कनिष्ठ तथा वरिष्ठ वर्ग में हिस्सा लिया। वरिष्ठ वर्ग में सरस्वती शिशु मंदिर, दामोदर नगर तथा कनिष्ठ वर्ग में एस.जे.एजुकेशन सेन्टर, हंसपुरम की टीमों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि डॉ. अखिलेश चन्द्र पाण्डेय, प्रोफेसर ब्रह्मानन्द डिग्री कॉलेज रहे। कार्यक्रम मे रामशरण श्रीवास्तव, राष्ट्रीय संरक्षक, प्रमोद दादू, क्षेत्रीय मंत्री सेवा, राधेश्याम अग्रहरि व एम.एल.अग्रवाल प्रान्तीय संरक्षक उपस्थित रहे।

उन्नाव : भारत को जानो लिखित परीक्षा में जनपद उन्नाव के 28 स्कूलों के कुल 2300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रश्नमंच में कनिष्ठ वर्ग के 15 तथा वरिष्ठ वर्ग के 12 स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। दोनों वर्गों में प्रथम स्थान पर सेंट ज्यूड्स स्कूल रहा। इस अवसर पर संस्था ने चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा के लिए डॉ. ए.के.शुक्ला, सुनील यादव, डॉ. टी.सी. भारती, शान्ति स्वरूप पिपलानी को शॉल व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।

पाञ्चजन्य-कानपुर : शाखा द्वारा भारत को जानो प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन रघुवंश एकेडमी के सभागार में किया गया जिसमें कुल 14 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। वरिष्ठ वर्ग में कृष्णा फाउण्डेशन एकेडमी के सन्नी पाल व प्रबल चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग में रघुवंश एकेडमी के शिवम् यादव व अमोल कमल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संचालन भारत भूषण जुनेजा, संजय दुआ, प्रान्तीय संयोजक ने किया।

बुन्देलखण्ड : प्रान्त स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता झाँसी में सम्पन्न हुई। दोनों वर्गों में 16 विद्यालयों ने भाग लिया। कनिष्ठ वर्ग में वीरांगना पब्लिक स्कूल झाँसी व वरिष्ठ वर्ग में सरस्वती इण्टर कॉलेज, कोंच के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि प्रदीप जैन आदित्य, पूव्र केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार रहे। इस दौरान कुंज बिहारी गुप्ता, पूर्व क्षेत्रीय चेयरमैन, राजेश जैन, प्रान्तीय अध्यक्ष, पूर्व क्षेत्रीय संगठनमंत्री आदि उपस्थित रहे।

समुत्थान, ब्रज प्रदेश : शाखा द्वारा भारत को जानो कार्यक्रम में कनिष्ठ वर्ग में भूमि गुप्ता तथा ममता सिकरवार ने विजय हासिल की। वरिष्ठ वर्ग में कोमल व पूनम जीती। गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन राजकीय विद्यालय में सम्पन्न हुआ। प्रधानाचार्य विमला खट्टर तथा 5 शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। 42 छात्राओं को स्कूल बैग, स्टेशनरी देकर सम्मानित किया गया। सुनील एवं गौरव गुप्ता उपस्थित रहे। रंगोली प्रतियोगिता में शानू कुशवाहा प्रथम, प्रतिभा द्वितीय रही। पर्यटन दिवस पर आगरा किला के अमर सिंह गेट पर प्रथम 101 पर्यटकों को तिलक लगा व माला पहना कर स्वागत किया गया। प्रभारी राजकुमार सिंह रहे। नन्दोत्सव में राधा की मटकी संजाओ प्रतियोगिता हुई। कृष्ण के जीवन पर आधारित प्रश्नोत्तरी हुई। लार्ड शिवा पब्लिक स्कूल में रंगोली सम्पन्न हुई।

रावटभाटा, राजस्थान दक्षिण पूर्व : भारत को जानो प्रतियोगिता विद्यालय स्तर पर कराई गई। कनिष्ठ वर्ग 21 तथा वरिष्ठ वर्ग में 17 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। कनिष्ठ वर्ग में श्री गुरु तेग बहादुर शिक्षण संस्थान, रावटभाटा तथा वरिष्ठ वर्ग में राष्ट्रीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बड़ोदिया की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता समापन पर राधेश्याम गुप्ता, संरक्षक, पी.के.पारीक, अध्यक्ष, राकेश कुमार शर्मा सचिव तथा अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और विजेताओं को पारितोषिक देकर सम्मानित किया।

सुभाष कोटा : भारत को जानो प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें कमल कुमार सुरेखा, प्रान्तीय अध्यक्ष तथा ओम जी, प्रान्तीय महासचिव ने पधारकर प्रतियोगिता का उत्साहवर्धन किया। कुल 17 विद्यालयों की टीम ने वरिष्ठ व कनिष्ठ वर्ग में भाग लिया। विजयी टीमों को स्मृति चिन्ह व सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

भुसावर, राजस्थान पूर्व : भारत को जानो प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला मंत्री मनीराम धाकड़ ने की तथा पूर्व सांसद राम स्वरूप कोली, मुख्य अतिथि रहे। कनिष्ठ वर्ग मे आदर्श उच्च प्राथमिक विद्या मंदिर तथा वरिष्ठ वर्ग में सुलभ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मनीष मित्तल, देवकी नन्द, ब्रजपाल सैनी, कुलदीप पाण्डेय का सहयोग सराहनीय रहा तथा सहभोज के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

वजीरपुर : शाखा द्वारा भारत को जानो की प्रतियोगिता 6 विद्यालयों में सम्पन्न हुई। कुल 316 छात्रों ने भाग लिया। सचिव महेश चन्द्र छीपी तथा सदस्यों ने सहयोग किया। प्रकल्प प्रभारी शेर सिंह, ताराचन्द जैन ने प्रतियोगिता कराई। 1617 विद्यार्थियों को उपयोगी स्वास्थ्यवर्धक आयुर्वेदिक दवाईयाँ नि:शुल्क वितरित की गई। इसमें डेंगू, चिकनगुनिया, मौसमी बीमारियों स्वाइन फ्लू, ज्वर आदि की दवाइयाँ शामिल थी। अलग-अलग स्कूलों में छात्रों को प्रतिरोधक क्षमता के लिए काढ़ा पिलाया गया।

अजमेर, राजस्थान मध्य : भारत को जानो प्रश्न मंच का आयोजन सफलतापूर्वक अजमेर में किया गया। वरिष्ठ व कनिष्ठ वर्ग के प्रतियोगिता प्रश्न मंच आधार पर सम्पादित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष सुरेश चन्द्र गाबा ने की। वरिष्ठ वर्ग में राष्ट्रीय आर्मी स्कूल के सुजीत कुमार सक्सैना व दीपक कुमार एवं कनिष्ठ वर्ग में इसी स्कूल के सांध्यादीप त्रिपाठी व जयपाल सिंह राठौड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता संचालन डॉ. हरीश बेरी ने किया।

पंचपदरा, राजस्थान पश्चिम : शाखा द्वारा अणचीदेवी भरचन्द पारख बालिका विद्यालय में भारत को जानो सम्पन्न हुई। सरपंच विजय सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि थे। कनिष्ठ वर्ग में संस्कार ए वैली स्कूल प्रथम रहा। वरिष्ठ वर्ग में आदर्श विद्या मंदिर पचपदरा विजेता रहा। विशिष्ट अतिथि अरविन्द मदाणी रहे। डॉ. राजीव लोचन शर्मा ने क्विज सम्पन्न की।

भामाशाह-उदयपुर, राजस्थान दक्षिण : शाखा द्वारा भारत को जानो - प्रश्नमंच प्रतियोगिता अयोजित की गई। प्रतियोगिता में राज. बालिका उच्च मा. विद्यालय वरिष्ठ वर्ग में तथा एम.डी.एस. उच्च मा. विद्यालय प्रतापनगर की टीम कनिष्ठ वर्ग में प्रथम रही। मुख्य अतिथि चन्द्रवीर सिंह चौहान, डीन (वाणिज्य संकाय), डी.एन. विश्वविद्यालय रहे। अपने उद्‌बोधन में श्री चौहान ने प्रतियोगिता को अपने देश के बारे में ज्ञानवर्धन व श्रेयस्कर बताते हुए परिषद् की प्रशंसा की। डॉ. एम.जी.वार्ष्णेय, कुसुम माहेश्वरी, सुभाष झा, अरविन्द, प्रमोद मिश्रा, पूर्णिमा, संगीता तथा ई. येवंती कुमार बोलिया प्रमुख भूमिका में रहे।

आजाद-उदयपुर : शाखा द्वारा भारत को जानो में 800 विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्वामी पब्लिक स्कूल के पुरस्कार वितरण में प्रो. महिप भटनागर पूर्व डीन तथा सरपंच मुकेश जोशी ने भाग लिया। बाल दिवस पर दिव्यांग प्रतिभा सम्मान सम्पन्न हुआ। दिव्यांगों में मूक वधिर, नेत्रहीन, विकलांग समूह के बच्चों को चेयररेस, लेखन, पाठन, ब्रेल, शतरंज, कबड्डी, रस्सा-कशी, क्रिकेट आदि प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार बांटे गये। सांसद अर्जुन लाल मीणा उपस्थित रहे। सांसद ने 10 लाख रुपये अंध विद्यालय को देने की घोषणा की। महापौर चन्द्र सिंह कोठारी ने राष्ट्र भाषा के लिए जोर दिया। गजलों और गीतों से मनायी शरद पूर्णिमा। मिलन में डॉ. उपवन पाण्डेय, राजकुमारी भार्गव, विजय, मंजू, अंजली, दीपा, गगन, सोनू, जागृत और खूबीलाल ने प्रस्तुतियाँ दी। गुरु वन्दन पर कुलपति सारंग देवोत ने 21 शिक्षकों तथा 21 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य नारायण लाल शर्मा को सम्मानित किया। समूहगान में निर्णायक के.के.त्रिपाठी, दया दवे, उषा कुमावत ने हैपी होम स्कूल को विजयी घोषित किया। मुख्य अतिथि एस.आई..आर.टी. के निदेशक डॉ. शरद चन्द्र पुरोहित रहे।

सुभाष उदयपुर : शाखा द्वारा भारत को जानो प्रतियोगिता शिशु भारती विद्यालय में सम्पन्न हुआ। 6 स्कूलों की 24 टीमों ने भाग लिया। वरिष्ठ तथा कनिष्ठ वर्ग में स्कालर एरिना आर.के.पुरम प्रथम रहे।

पंचदीप, दिल्ली उत्तर : शाखा द्वारा भारत को जानो प्रतियोगिता आयोजित की गई। 15 विद्यालयों से कुल 4852 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 50% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र तथा प्रतीक चिन्ह प्रदान किये गये। शाखा की ओर से नीरज श्रीवास्तव, संगीता गुप्ता, सचिव ने सहयोग किया।

नारनौल, हरियाणा दक्षिण : प्रान्त स्तरीय 'भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन शाखा के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. तरुण शर्मा, राष्ट्रीय मंत्री प्रकल्प रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत का अतीत, वर्तमान तथा भविष्य

तीनों ही गौरवशाली रहे हैं, ऐसा संदेश पूरी पीढ़ी को प्राप्त हो यही इस प्रतियोगिता का लक्ष्य है। प्रतियोगिता का संचालन प्रान्तीय संयोजक विजय रोहिल्ला ने किया। विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए राजकुमार अग्रवाल, प्रान्तीय अध्यक्ष ने सभी का आभार प्रकट किया। प्रवीन सिंघल, केन्द्रीय संगठन मंत्री, एस.एन.बंसल, प्रान्तीय महासचिव, ओम प्रकाश अरोड़ा, अश्विनी कटारिया आदि उपस्थित रहे।

नांगल, पंजाब पूर्व : पंजाब पूर्व की प्रान्त स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता नांगल में सम्पन्न हुई। 46 स्कूली टीमों ने भाग लिया। सेंट सोल्जर स्कूल नांगल के वरिष्ठ टीम के आकर्षक शर्मा तथा सुनन्दन ने प्रथम स्थान तथा कनिष्ठ टीम से पटियाला सर्वहितकारी विद्या मंदिर के छात्र विजयी रहे। सचिव अमरनाथ शर्मा, के.के.सूद, अशोक मनोचा तथा टीम का सहयोग रहा।

बोकारो स्टील सिटी, झारखण्ड : शाखा द्वारा भारत को जानो कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में क्रीसेन्ट पब्लिक स्कूल प्रथम रहा। अयप्पा पब्लिक स्कूल द्वितीय तथा चिन्मय विद्यालय तृतीय स्थान पर रहा। मुख्य अतिथि आर.के. त्रिपाठी, अधिशासी निदेशक सेल सेफ्टी संगठन ने कार्यक्रम के लिए परिषद् की प्रशंसा की।

गया, मगध बिहार : प्रान्तीय भारत को जानो क्विज प्रतियोगिता का आयोजन प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. अभय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कनिष्ठ वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर (महर्षि) तथा वरिष्ठ वर्ग में बाल विकास केन्द्र के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों विद्यालय महर्षि विश्वामित्र शाखा के द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभागी रहे। इस अवसर पर परमेश्वर सिंह, श्याम नारायण सिंह, देवकुमार शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कोशी बिहार : प्रान्त की भारत को जानो प्रतियोगिता होटल क्राउन में सम्पन्न हुई। उद्घाटन अनुमण्डलाधिकारी सुमन कुमार ने किया। सहरसा, बेगूसराय, सरडीहा, बख्तियारपुर से वरिष्ठ व कनिष्ठ वर्ग टीमों की उपस्थिति रही। वरिष्ठ वर्ग में आयुष कुमार और अनिकेत कुमार प्रथम तथा कनिष्ठ वर्ग में वैभव जासवाल, प्रिन्स राज टैगोर विजयी रहे। प्रमोद भगत, प्रमोद अम्बष्ठ, राजीव कुमार, गौरी शंकर उपस्थित रहे। स्कोरिंग रमीज राजा ने की।

गुजरात : भारत को जानो कार्यक्रम में प्रान्त की सक्रिय सहभागिता के अन्तर्गत तीनों प्रान्तो में कुल 61800 गुजराती तथा 11010 अंग्रेजी भाषा की भारत को जानो पुस्तकें तैयार की गई तथा गुजरात मध्य प्रान्त में 21230, गुजरात उत्तर प्रान्त में 20600 तथा सौराष्ट्र कच्छ में 31000 पुस्तकें वितरित की गई। गुजरात राज्य में 270 स्कूलों में लिखित, 180 में प्रश्नमंच सम्पन्न हुआ। कुल 24553 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। प्रान्तीय प्रकल्प प्रभारी बाबूभाई बोधरा द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

महाकौशल : भारत को जानो प्रान्तीय प्रतियोगिता में 17 टीमों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में डॉ. बी.के. पारू तथा विद्या भारती के डॉ. नरेन्द्र कोष्टी और पुरस्कार वितरण पर कुलपति आर.ए. शर्मा, मनीष पाण्डे, तथा युधिष्ठर जी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। विजयी टीमों डॉ. मुकुल तिवारी, आशा रिधारिया ने सहयोग किया।

मध्य भारत - समग्र ग्राम विकास के अन्तर्गत ग्राम सीताराम की लावन में परिषद् द्वारा 11 शौचालयों का निर्माण किया गया। डॉ. श्याम बिहारी शर्मा, इकबाल अली, मोकुल सिंह, निर्मल आर्य, प्रेरक राम निवास शर्मा ने खुले में शौच के बारे में जागरूकता की। ग्राम में अखण्ड कीर्तन किया गया।

Puri, Odisha : Bharat Ko Jano quiz contest was conducted.16 schools participated in junior cotegary and 18 Schools were participated in senior cotegary. Mr.Padmanav Panda, convener conducted the quiz. DAV Public School stood first in junior cotegary whereas Ghanashyam Hemalata Vidya Mandir, Puri stood first in senior cotegary. Mr. Maheswar Mohanty MLA & Chief Guest, National Organizing secretary Mr.S.N.Panda, Mr.Jagat Mohan Pattnaik, Pranta president were the eminent persanalities to attend the function.

Rajahmundry, Andhra Pradesh : Branch conducted 'Bharat Ko Jano-Quiz' wherein 17 junior and 15 senior teams participated. OAKWOOD School bags first prize in junior and senior cotegary. Dr. Pillai Paranahansa, President and Phani Nageswara Rao, Secretary supervised the event. Shri PVS Krishna Rao, P.Ram Babu, V.Ravi Prasad, Dr. Thilak, Priya, Nagiri etc. were also present.

Visakhapatnap : Branch conducted Bharat Ko Jano-Quiz competition which was participated by 34

school tems. Smt. P. Sarajini Devi, principal DIET Engineering Collage attended as Chief Guest. R.C. Jain, National Addil. Secretary General was also present. Shri Prakash Vidya Niketan stood first in both junior & senior cotegary.

Worli, Maharashtra Konkan : Branch conducted BKJ-Quiz at Textile Committee Auditorium, Prabhadevi, Mumbai. 24 team participated in the quiz competition. The function was attended by Sitaram Pareek, National President,O.P. Kanoongo, National Finance Secretary, the Dy Mayor of Mumbai Smt. Alka Tai Kerkar was chief guest.

Jammu East, Jammu Kashmir : BKJ competition was organized at S.M. Jain Higher Sec. School. Mrs. Sudesh Tanotra Secy. welcomed chief guest Yudhvir Sethi. Luthro Higher Sec. School in junior and DPS bagged first in senior group. Competition was jointly conducted by Gopal Sharma and Jyotsana Sharma. Rakesh Gupta Kaushal Kumar and Sumit Mahajan were present.

Gandhi Nagar : Branch organized BKJ at Govt. Girls High School Gandhi Nagar. Kendriya Vidyalaya no. 1 in Senior Category ranked first. Quiz was conducted by Gopal Sharma & Anita Shama Jointly. B.B.sharma and Bhopal Datta were present.

Tambaram, Tamilnadu : The branch conducted BKJ 6 schools appeared in written test. 344 appeared in the test. Shankar Vidyalaya East Tambaram in Junior and senior group ranked first.

Bikaner, Rajasthan North : BKJ was organized in 10 schools over 2700 students appeared in the test. 1000 books were distributed to the students. R.S. Sanghi organized quiz competition. During Sanskrit week folk dance competition. Drawing and Poster competition Mehndi, Essay writing, workshop on sixteen Sanskar, Kanya Pujan and Bhajan Sandhya were organized. Smt. Indu Bala Sharma was the convenor. Team of Seth Tota Ram Bafna academy stood second in state competition.

यत्र तत्र

- सीतापुर (अवध प्रदेश) शाखा सदस्य वीरेन्द्र श्रीवास्तव ने पूज्य माता जी की स्मृति में सरस्वती विद्या मंदिर को एक वाटर कूलर प्रदान किया। अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता, सचिव हरीश शाह उपस्थित रहे।
- रीवा (महाकौशल) शाखा के सदस्यों को संविधान और नियमों की जानकारी के लिए संयुक्त महामंत्री अरुण डागा ने प्रवास किया। अध्यक्ष लता आर्या ने स्वागत किया।
- गोपालपुरा ग्राम विकास कार्यों की समीक्षा करने के लिए श्री अशोक जाधव और श्री ललित टेलर ने गाँव में विकास की जानकारी ली।
- सुभाष कोटा (राजस्थान दक्षिण पूर्व) शाखा द्वारा जर्सी वितरण किया गया।
- बिहारश्री शाखा नालंन्दा (दक्षिण बिहार) शाखा द्वारा बिहार क्लब में भारत को जानो सम्पन्न हुई।
- बादरायाना (कर्नाटक दक्षिण) शाखा द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया।

आओ एक कहानी सुने।

एक पेड़ का डंठल अचानक टूट कर जमीन पर गिरा जिसके कारण नीचे सोये हुए बूढ़े व्यक्ति की मौत हो गई। चतुर लोंगो ने इस घटना का विश्लेषण किया और पेड़ को दोषी व्यक्ति की मौत के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया। दूसरा चतुर आदमी बोला पेड़ का क्या दोष। दोषी तो वह है जिसने कमजोर मिट्टी में पेड़ लगाया। पेड़ लगाने वाले को मौत का जिम्मेदार ठहराया गया। उसने कहा मेरा क्या दोष। इस पेड़ की डाली पर बगुलों का झुण्ड आकर बैठ गया जिसके बजन से डाली टूट गई और बूढ़ा मर गया, दोष तो बगुलें हैं। दूसरा चतुर आदमी बोला बगुलों का क्या दोष, ये बगुले पहले स्टेट बैंक के पास वाले पेड़ पर बैठते थे। आज कल वहाँ लम्बी लाइन है, बहुत शोर होता है अतः बगुले वहाँ से हट कर यहाँ आ गये। दोषी तो स्टेट बैंक है। एक और चतुर आदमी कहता है, स्टेट बैंक का क्या दोष! दोष तो नरेन्द्र मोदी का है जिसने नोट बंदी लगा दी और बूढ़े की मौत हो गई। तब एक मत से फैसला हुआ कि स्टेट बैंक से कोसो दूर एक पेड़ की डाली के नीचे सोये हुए बूढ़े की मौत नरेन्द्र मोदी के कारण हुई। - विश्वास न हो तो संसद में - या NDTV पर सुन लेना। - अजीत शाह

पंजाब पूर्व, युवा चण्डीगढ़ : शाखा द्वारा गुरु गोविन्द सिंह के 350वें प्रकाशोत्सव के अवसर पर सेमिनार का आयोजन किया गया। विषय था 'गुरु गोविन्द सिंह का सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक उत्थान में योगदान'। इस अवसर पर अपने उद्‌बोधन में छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल बलराम जी दास टंडन ने सिख धर्म के दसवें गुरु को समूची मानवता को एक सूत्र मे पिरोने वाला महान् व्यक्ति बताया, जिनको याद करके अपना जीवन सफल बनाया जा सकता है। मुख्य वक्ता केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशला के कुलपति डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री ने कहा कि 350 वर्ष पूर्व गुरु जी ने हिमालय की उपत्यकाओं में स्थित आनन्दपुर साहिब में वैसाखी के दिन विशाल सम्मेलन बुलाकर एक लाख लोगों के मध्य खालसा पंथ की स्थापना की थी। डॉ. अग्निहोत्री ने कहा कि ऐसे सम्मेलन आध्यात्म चर्चा, नीति विषयक उपाख्यानों अथवा नैतिक संक्षण के विषय पर आयोजित करने की परम्परा है। परन्तु यह सम्मेलन देश के दासता से मुक्त करने के लिए बुलाया गया था। राष्ट्रीय महामंत्री अजय दत्ता ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से हमें देशभक्ति की प्रेरणा मिलती है। अध्यक्ष राजकिशोर, एच.आर.नारंग, संजयपुरी, नवीन बसंल ने व्यवस्था संभाली

चण्डीगढ़ : सामूहिक सरल विवाह - भारत विकास परिषद् और मर्चेन्ट नेवी ऑफीसर्स ऐसोसियेशन के सहयोग से सेक्टर 38 के स्टेपिंग स्टोंस स्कूल में निर्धन कन्याओं का विवाह आयोजित किया गया। 3 जोड़ों के विवाह में वर तथा वधू पक्ष के तीस-तीस परिजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम संयोजक डी.डी.गुप्ता ने बताया कि दैनिक उपयोग की सामग्री डबल बेड, सेफ, सिलाई मशीन, पंखा, वर-वधू को कपड़े, किचन सामग्री आदि प्रदान किये गये। श्री अजय दत्ता, राष्ट्रीय महामंत्री तथा स्कूल के निदेशक के.नरेन्द्र कुमार के साथ गणमान्य लोगों ने नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। आई.सी.वर्मा, एफ.एल. नागपाल, संजीव कुमार, पंकज मिड्डा, वंदना कांसल ने भरपूर सहयोग दिया।

चण्डीगढ़ पश्चिम-2 : शाखा द्वारा गोपालष्ठमी पर्व पर गौ सेवा तथा सदस्यों द्वारा गौ पूजन किया गया। गायों को हरा चारा खिलाया गया। राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय में भारत को प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। क्विज प्रतियोगिता में 5 टीमों ने भाग लिया। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र तथा पुरस्कार दिये गये।

पंजाब पश्चिम, हाजीपुर : सर्वहितकारी स्कूल में कविता, दोहे, छंद की प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। डॉ. बलदेव बग्गा ने अध्यक्षता की। बलविन्दर कौर प्रथम, सिमरन द्वितीय तथा जसलीन तृतीय रही। बाल दिवस के आयोजन पर प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरु को स्मरण किया गयां 5 विद्यार्थियों के श्रेष्ठ बाल पद से अलंकृत किया गया। धनवंतरी जयन्ती के अवसर पर समुद्र मंथन से निकले रत्नों में धनवन्तरी के गुणों का उल्लेख किया। गणेश शंकर विद्यार्थी के क्रान्तिकारी जीवन को स्मरण किया गया। समूहगान में 12 स्कूलों ने भाग लिया। भारत को जानो में वरिष्ठ वर्ग में सरकारी स्कूल घगवाल तथा कनिष्ठ वर्ग में आर.एस.डी हाजीपुर प्रथम रहा।

विवेकानन्द लुधियाना : शाखा द्वारा एन.सी.एल.पी. स्कूल समराला चौक में कुर्सी, पंखे, मेज व दरी प्रदान की गई। समूहगान में 4 टीमों ने भाग लिया। सरस्वती मॉडल स्कूल प्रथम रहा। फगवाड़ा में समूहगान प्रतियोगिता में सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया।

हरियाणा उत्तर, इस्माइलाबाद : गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर जय गुरुदेव पब्लिक स्कूल में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 11 विद्यालयों के 22 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। शाखा से वीना भारद्वाज, मोहन लाल गुप्ता, संजीव सैनी, जय दयाल अरोड़ा, जय भगवान शर्मा आदि मुख्य भूमिका में रहे।

कर्ण करनाल : शाखा द्वारा सुन्दरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदस्यों की सहभागिता अच्छी रही तथा सभी ने भक्ति रस का आनन्द लिया। साथ ही तुलसी विवाह का आयोजन भी किया। हर वर्ष की भाँति एक गरीब कन्या के विवाह का संकल्प लिया गया।

कैथल : गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। श्रीनिवास गोयल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। पब्लिक स्कूल के बच्चों ने बहुत मीठी वाणी में शबद कीर्तन किया। मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 10 स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया।

हरियाणा दक्षिण, बहादुरगढ़ : शाखा द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' के अवसर पर पत्रकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बहादुरगढ़ के उपायुक्त रमेश चन्द्र बिढ़ाग ने सामाजिक परिवर्तन लाने में मीडिया की सशक्त भूमिका पर चर्चा की। जशनदीप सिंह रंधावना, पुलिस अधीक्षक डॉ. नरहरि सिंह,

बांगड़, अतिरिक्त उपायुक्त, धीरज कुमार, डी.एस.पी., मूलचंद जोशी, प्रान्तीय उपाध्यक्ष सतीश शर्मा, सचिव तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वरिष्ठ पत्रकार प्रेम शर्मा, शील भारद्वाज, प्रवीण धनकड़, रविन्द्र राठी आदि का परिषद् की शाखा की ओर से सम्मान किया गया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश, शक्ति गाजियाबाद : शाखा द्वारा शीत ऋतु के आगमन पर झुग्गी बस्ती में गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। बाल दिवस पर प्रेरणा बालनाथ आश्रम में बिस्कुट, फल वितरण हुआ। नोटबंदी के कारण बैंक तथा एटीएम पर लम्बी लाइनों में 1000 पानी की थैलियों का वितरण किया गया। शशि मिश्रा, पद्मा जिन्दल, बिन्दु मदान, कुमकुम, सीता, चारू, लता ने सहयोग किया।

हस्तिनापुर, मेरठ मेन : शौचालय बनाने की सरकारी योजना में शाखा ने अग्रणी भूमिका निभाई। स्थानीय सांसद राजेन्द्र अग्रवाल ने रविदास सरस्वती शिशु मंदिर में 10 शौचालयों का लोकार्पण करते हुए कहा कि परिषद् सदैव समाज सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शाखा अध्यक्ष सरल माधव ने कहा कि शौचालय क्रान्ति लाने में परिषद् का बड़ा योगदान है।

विवेक मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा यातायात पुलिस के सहयोग से अजमत अली गर्ल्स इण्टर कॉलेज में विचार गोष्ठी सम्पन्न हुई। एस.एस.पी. श्री बबलू कुमार ने यातायात नियमों के पालन के साथ वूमैन हेल्प लाइन 1090 तथा पुलिस हेल्प लाइन 100 को जनजन तक पहुँचाने की अपील की। पुलिस अधीक्षक यातायात पुलिस श्री कृष्ण गोपाल यादव, समाजसेवी देवराज पावर, निधीश गर्ग ने यातायात नियमों के पालन पर जोर दिया। शाखा द्वारा समाज सेवा कार्यो। की प्रदर्शनी लगाई गई। सुधीर गर्ग, इन्दु मिश्रा, अचला विंदल, डॉ. अनिल, देवेन्द्र शर्मा का सहयोग रहा। बहुआयामी चिकित्सा शिविर में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुबोध कुमार सिंह की देखरेख में राजकीय पुस्तकालय महावीर चौक में सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने मानव सेवा को सबसे बड़ी सेवा बताया। सचिव अचिन कंसल के अनुसार 162 रोगियों का परीक्षण हुआ। 12 नेत्र रोगियों का ऑपरेशन हुआ। डॉ. गालिब हसन, डॉ. बैकुंठ अग्रवाल, डॉ. एम.एल.गर्ग, डॉ. शेभित, डॉ. सपना का सहयोग रहा।

संकल्प मुजफ्पुरनगर : शाखा द्वारा पय्रावरण सुरक्षा के लिए 500 थैलों का वितरण किया गया। नेत्रदान जागरूकता तथा विश्वशान्ति के लिए यज्ञ किया गया। निर्धन छात्रों की स्कूल फीस के लिए रुपये 15000/- की राशि दी गई। भारत को जानो में 5500 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 6 विद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। गौशाला में गायों की सेवा की गई। ट्रस्ट बनाकर एक गौशाला निर्माण की योजना है। 15 लाख रुपये की सहायता प्राप्त हो चुकी है। ब्लड शुगर की जांच तथा दवा डॉ. राकेश सिंघल के सहयोग से प्रदान की जाती है। जाड़े में गर्म कपड़े, कम्बल तथा निर्धन कन्या विवाह में सहयोग दिया जाता है।

काशी प्रदेश, स्वर्णिम वाराणसी : शाखा द्वारा दीपोत्सव के अवसर पर रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। संयोजिका सविता खन्ना एवं वर्षा केशरी ने रोचक कार्यक्रमों से सजाया। सदस्यों ने सपरिवार सहभागिता की।

ब्रज प्रदेश, मयूरी अलीगढ़ : दीपावली के अवसर पर शाखा द्वारा डांडिया की प्रस्तुति की गई। संयोजिका उमा गुप्ता रही। कम्पनी बांग में अलीगढ़ की सभी शाखाओं द्वारा उड़ी हमले के विरोध में शहीदों को नमन किया गया। भारत को जानो प्रतियोगिता में 5 स्कूलों ने भाग लिया। कनिष्ठ वर्ग में हिमानी छोड़कर तथा कोमल वार्ष्णेय विजेता रही। वरिष्ठ वर्ग में परम वार्ष्णेय, सूर्यांश गुप्त विजयी रहे। समूहगान में 4 स्कूलों ने भाग लिया। निहार मीरा स्कूल प्रथम, विश्व भारती द्वितीय, श्री डॉट्स तृतीय रही। अचल सरोवर का आरती घाट पर एक दिया शहीदों के नाम कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। श्रीमती युनाइटेड नेशन परनेलिटी 2016 डॉ. प्रीति पावार सोलंकी ने महिलाओं को व्यायाम के लिए जागरूक किया। मेयर शकुन्तला भारती, लता गुप्ता, दिव्या लहरी, रश्मि सुहृद, उमा गुप्ता उपस्थित रहीं।

ब्रह्मावर्त, उन्नाव : शाखा द्वारा गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस कार्यक्रम मनाया गया। प्रान्तीय संयोजक पुरुषोत्तम सिंह, ठाकुर प्रसाद जायसवाल, आभा माथुर के साथ प्रान्तीय दायित्वधारी उपस्थित रहे। गुरु जी के बलिदान और जीवन पर विस्तार से चर्चा हुई। अन्त में लंगर छका गया।

बुन्देलखण्ड, उरई : शाखा द्वारा ग्रीन कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एस.पी. राकेश सिंह व क्षेत्राधिकारी जेग बहादुर ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लगभग 506 लोगों ने ग्रीन कार्ड हेतु फर्म रहे। एस.पी. राकेश सिंह ने बताया कि ग्रीन कार्ड का तात्पर्य है कि आपकी गाड़ी के सभी कागजात वैद्य है। इस अवसर पर जीवन राम गुप्ता, राष्ट्रीय चेयरमैन, राजकुमार, रीतेश तरसौलिया, शान्ति स्वरूप आदि उपस्थित रहे।

अवध प्रदेश, इन्दिरानगर-लखनऊ : गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन प्रतियोगिता का आयोजन क्षेत्र के कुल 9 विद्यालयों में सम्पन्न किया गया। इसमें कुल 11,102 छात्र-छात्राएँ एवं 39 अध्यापक सम्मिलित हुए तथा कुल 37 श्रेष्ठ विद्यार्थियों का सम्मान एवं 10 अध्यापकों का वंदन किया गया।

उत्तराखण्ड पश्चिम, अविरल गंगा : शाखा द्वारा पोषित राजकीय प्राथमिक विद्यालय मतलवपुर में 187 विद्यार्थियों के लिए दरियाँ, उपलब्ध कराई। विद्यालय में 97 लड़कियाँ भी अध्ययनरत हैं। शाखा द्वारा 4 टॉयलेट, टंकी तथा सीवर आदि का निर्माण शाखा द्वारा किया गया। समारोह में स्वच्छ भारत अभियान पर नुक्कड़ का आयोजन स्कूली बच्चों द्वारा किया गया। अध्यक्ष डॉ. संगीता सिंह ने बच्चों की स्वच्छता की शपथ दिलाई। संरक्षक डॉ. सत्येन्द्र मित्तल, साक्षी त्यागी, सुधांशु शर्मा, नीता मित्तल, नवनीत, पूजा, दिनेश, डॉ. आशुतोष ने सहभागिता की।

दिल्ली मध्य, वेस्ट पटेल नगर : शाखा द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती स्थानीय पटेल मार्केट एसोसियेशन के साथ मिलकर मनाई गई। मनिन्दर सिंह बिट्टा, चेयरमैन, ऑल इंडिया एन्टी-टैरेरिजम, महेश चन्द शर्मा, सुभाष मनोचा, महासचिव, दिल्ली स्टेट सेन्ट्रल उपस्थित रहे। आप सबने सभा को सरदार वल्लभ पटेल की जीवनी एवं विचारों पर संबोधित किया।

बेटी की पुकार

एक पाँच साल की बेटी अपने पड़ोस के घर में लटकती, जगमगाती लड़ियों को देखकर बोली। अंकल! आप मेरे पापा को क्यों मारना चाहते हो। अंकल बोले - बेटा मैंने ऐसा क्या किया? लड़की बोली अंकल मेरे पापा आर्मी में हैं वो सरहद पर खड़े हैं ताकि आप दीवाली मना सके। और आप यह चीन की झालर, पटाखे लाये हैं इन पैसों से चीन पाकिस्तान की मदद करेगा और हो सकता है कि आपके द्वारा दिये गये पैसों से खरीदी गई गोली मेरे पापा को लग जाए। अंकल! मेरे पापा को बचा लो, मैं अपने पापा से बहुत प्यार करती हूँ। अंकल की आँखों में आँसू आ गये और उन्होंने वो झालर उतार कर फेंक दी। घर में बैठकर भी आर्मी का साथ दें।

कमलानगर : करवाचौथ व दीपावली उत्सव का आयोजन किया गया। पारिवारिक कार्यक्रम का संचालन रश्मि अग्रवाल ने किया। महिलाओं, पुरुषों व बच्चों के विभिन्न कार्यक्रम, नृत्य नाटिका व मनोरंजक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इस अवसर पर महेश चन्द्र शर्मा, अर्चना सिंघल, संजीव मिगलानी, शंकर लाल आदि उपस्थित रहे।

मध्य भारत उत्तर, भिण्ड : राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन शा.एम.जे.एस.कॉलेज के सभागार में किया गया जिसमें शहर के विभिन्न विद्यालयों ने भागीदारी कीं मुख्य अतिथि डॉ. एम.आर.कौशल थे। बिहारी बाल मंदिर की टीम ने प्रथम तथा विद्यावती पब्लिक स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रान्तीय अध्यक्ष एस.वी.शर्मा, प्रान्तीय संयोजक प्रो. रामानन्द शर्मा, मनीष ओझा, श्रवण पाठक आदि उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़, रायपुर : महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़ श्री बलरामजी दास टंडन ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि देश की एकजुटता के लिए गुरु तेग बहादुर का बलिदान प्रेरणास्पद है। देश ओर समाज को एकजुट व शक्तिशाली करने में समाज के लिए किस प्रकार बलिदान किया जाता है इसका आदर्श गुरु तेग बहादुर ने किया। उनके जीवन का दर्शन था धर्म का मार्ग तथा सत्य का मार्ग। श्री टंडन, रायपुर में आयोजित भारत विकास परिषद् के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम संचालक विनोद जोशी ने बताया माननीय राज्यपाल महोदय को शाखा तथा गुरु सिंह सभा, गुरु गोविन्द नगर, रायपुर की ओर से स्मृति चिन्ह तथा महिला समिति की ओर से गुरु गोविन्द सिंह की जीवनी पर पुस्तक भेंट की। समारोह में राकेश जैन, संगठन मंत्री, मनमोहन सिंह सैलानी, हरमिन्दर सिंह चावला, कार्यक्रम अध्यक्ष सुबोध पाण्डे, शाखा अध्यक्ष सतीश मिश्रा आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राजस्थान मध्य, युवा अजमेर : अजमेर के राष्ट्रीय अधिवेशन से पूर्व परिषद् के प्रान्तीय संगठन मंत्री श्री शरद गोयल के दुखद निधन से हुई अपूर्णीय क्षति से दुखी युवा शाखा अजमेर ने श्री गोयल के 40वें जन्म दिन पर सेवा कार्य कर उनका पुन्य स्मरण किया। पौधारोपण कर सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाये। कोटड़ा स्थित 'अपना घर' पर रहने वाले आश्रितों के लिए 65 बेडशीट के साथ अल्पाहार प्रदान किया। वैशाली नगर स्थित मूक वधिर विद्यालय के छात्रों के लिए रात्रि भोजन की व्यवस्था की गई। मोहन खण्डेलवाल, सुरेश गोयल, रमेश सोनी, सोमरत्न आर्य, अनुज गर्ग, विजय ईनाणी उपस्थित रहे।

राजसमंद : शाखा द्वारा राजकीय उच्चत्तर माध्यमिक स्कूल किशोर नगर में जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्टेशनरी दी गई। राकेश गोयल, जय प्रकाश, ओम प्रकाश, कुशलेन्द्र, विष्णु बंग ने विद्यालय की 150 छात्राओं को जूते, मोजे, टाई, बेल्ट प्रदान किये। महेश खिंची ने धन्यवाद दिया।

राजस्थान पश्चिम, बाड़मेर : गोपालष्टमी पर श्री गोपाल गौशाला में महिलाओं द्वारा गोपूजन तथा 10 क्विन्टल लापसी का वितरण किया गया। एक्यूसर विधि से जोड़ों का दर्द, मधुमेह, लकवा, पथरी, कमर दर्द के 1116 रोगियों को सुविधा दी गई। 65 छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क कोचिंग प्रदान की गई। 309 नेत्र रोगियों का परीक्षण तथा 97 का ऑपरेशन करवाये गये। विभिन्न परिवारों से 40 क्विन्टल अखबारों के थैले बनवाकर पोलिथिन मुक्ति अभियान में सहयोग किया गया। हेलमेट वितरण तथा वस्त्र बैंक के द्वारा 260 जोड़ी कपड़े बांटे गयें भारत लैब के द्वारा 440 रोगियों को सस्ते दर पर परीक्षण कराया गया। डीप

फ्रिज़र में शव रखने की सुविधा दी गई।

राजस्थान दक्षिण पूर्व, कापरेन : शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत मेंहदी, पूजा थाल, रंगोली, समूहगान, लोक नृत्य, वेषभूषा, भारत को जानो आदि प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने भाग लिया। समापन समारोह में विजेताओं को श्री पी.के.जैन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने पुरस्कार बांटे। श्री जैन ने कहा कि समाज आत्म केन्द्रित हो रहा है। आज की संस्कृति में अकेलेपन का भाव और एकांकी विचार होता है। परिषद् सामूहिक विचार एवं चिन्तन के आधार कार्यरत है। श्रीमती योगिता गुर्जर ने सफल संचालन कियां प्रान्तीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह समापन के अवसर पर 60 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित कराया गया।

हिमाचल प्रदेश पश्चिम, ऊना : शाखा के प्रवास पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा एवं राष्ट्रीय मंत्री राकेश सहगल का प्रवास हुआ। सेवा प्रकल्प में चिकित्सा संस्थान, डायग्नोस्टिक लैब, कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण तथा चिकित्सा शिविर का आयोजन शाखा द्वारा किया जाता है। स्कूलों में नैतिक शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा वृक्षारोपण किया गया। प्रान्त के श्री अनिल भारद्वाज ने सदस्यों का जिज्ञासा समाधान किया। ओ.सी.शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी के द्वारा ट्रस्ट के गठन की घोषणा की गई।

Karnataka South, Satyakam Jabali : The branch under Karnataka Prant, Bangalore donated MANGALYA to the needy person in association with one family in the presence of A.R. Subramanyam, President, D.S. Sreenivasa, Secretary and some other members. Branch donated one computer, 30 sets of uniform, hat and belts, books and pens to 70 students of Govt. School, Marenahalli, I.P. Nagar in the presence of Lakshmi Natraj, Local corporater, A.R. Subramanya, President, D.S. Sreeniwasa, Secretary, K. Ramesh Babu, Panduranga Gupta etc.

Assam, Birjhora : Branch organized a Flood Relief Camp at Popragoan, Konebari about 15 kms from Bongaigoan, households items including kitchen utensils', bundle of yarn, ladies & gents shawls along with other materials distributed to flood affected persons of the village.

Karimganj: Office Bearers of Karimganj branch met hon'ble Shri Banbari Lal Purohit, the Governor of Assam at conference hall. He was honoured with Shawl and portrait of Swami Vivekananda. He appreciated the activities of BVP in the state and extended full support.

Manipur, Bishnupur : Shri Suresh Jain, National Coordinator and Shri Swadesh Ranjan Goswami, National Secretary East visited Bishnupur in Manipur state of North East. An Embroidery and Tailoring Centre, a permanent project of BVP Bishnupur branch, Manipur has been inaugurated. Large number of BVP members, Trainees, teachers and some members of BVP Churachandpur attended the programme.

Punjab East, Swami Viv. Sunam : Full sleeves sweaters were distributed to very poor & needy students of Govt. primary School, Sunam by branch.

Delhi West, Janakpuri B Block : In a simple function started with Swastivachan by children from Sanskrit Mahavidyalaya, branch distributed 500 sweaters among poor and needy. Shri K.B. Mahajan, Secretary infirmed that various organisations of the area also associated in this programme.

Tamilnadu, Kumbakonam : 75th Birth day of Sri Nellai V. Ganapathi was observed at Hotel Viha. 1000 Tulsi plants were distributed on this occasion. V.Shankar was presented on this occasion, with Sujata Rao, General Secretary, T.N.was present.

A.P., Rajahmundri : NGSC was conducted at Uma Ram Lingeshwar Kalyan Mandapam. Sanskrit, Telgu and folk songs were presented by teams. 38 groups participated, renowned play back singer Shri Madhavaddi Suresh attended the event. Shri Pus Krushna Rao, Dr. Peladi Parmahansa, Phani Nageshwar Rao inspired the winners.

FIVE BENEFITS OF TELLING TRUTH

- No need to remember, what said to whom.
- Builds inner confidence.
- Makes you stronger.
- Make you trust worthy.
- Keep you away from embarrassment.
- Think twice – act wise. -Arun Gupta

HOW THEY LIVE? INSPIRING REAL STORY (SUDHA MURTHI)

It was April 1974. I was the only girl in post graduate computer science and looking forward for abroad for Phd. I had not thought of taking up a job in India. On the way to my hostel. I saw advertisement on the noticeboard. It was a standard job requirement from Telco, an automobile company. It requests a young, brilliant, hard working engineers of excellent academic background. At the bottom was a small line lady candidates need not apply.

I read it, got upset; it was the first time in my life against gender discrimination. I saw it as a challenge. In the room I got a post card and started to write. JRD Tata was the head of Tata group and Moolgaonker was the chairman I wrote to JRD. Tata have always been pioneer in basic infrastructure, steel, chemicals, textiles and loco motives. They have cared for higher education and established Indian Institute of science. But I was surprised such a company like Telco is discriminating on gender basis.

I posted the letter and forgot it. Within few days. I received a telegram to appear for an interview in Telco on company expense. It was my first visit to Pune and I felt in love with the city.

I went to Telco Pampine office for interview. A Panel of six persons was sitting, it was a serious business. The girl who wrote to JRD, Somebody whispered as I entered in the room. By then I realized that I would not get the job, so I lasted my fear and was cool. Panel asked me technical questions and I answered all of them. A elderly gentlemen with affectionate voice asked me. Do you know why we said lady candidate need not apply? The reasons that we have never employed any lady on the shop floor. It is not a factory, you are first ranker throughout. But the people like you should work in research labs. I answered. But you must start some where otherwise no women will ever be able to work in your factory.

Finally I was told I have been successful. Later I met a shy young man from Karnatak, we became good friend and got married. It was only after joining Telco I could realize who JRD was, the uncrowned king of Indian industry. I was transferred to Mumbai office.

One day I had to show some reports to our chairman Moolgaonker. I was in the office when JRD walked upstairs I was nervous remembering my post card episode. Some introduced me as engineer the first woman to work in Telco. He remarked it is nice that girls are getting into engineering all over the country. What's your name? Sudha Murthi.

One day when I was waiting for Murthi, my husband, to come and pick me up, JRD said it is getting dark and there is no one in the Corridor. I will wait with you till your husband comes. I was nervous. Out of the corner of my eyes I saw he wore a simple white pant & shirt. He was old yet his face was glowing. No air of superiority about him. Most respected person of the country. Chairman of a biggest house, is waiting for the sake of an ordinary employee. Murthi came and I rushed out. JRD called and said tell your husband never to make his wife wait again. In 1982, I resigned from Telco Company. Down to Bombay house, I saw JRD coming up. He gently asked. What are you doing Ms. Kulkarni., sir, I am leaving Telco., where are you going ? Sir my husband is starting a company Infosys at Pune oh! What will you do when you are successful? Sir I do not know whether we will be successful? Oh never start with diffidence, always start with confidence he advised me. When you are successful you must give back to society. Society gives us so much we must reciprocate. All the best.

(The story a an young lady engineers and father of Indian industry JRD Telco is a story for inspiration of young talents and entrepreneurs -Editor) - **Sudha Murthi, Narain Murthi** (Infosys)

भगवान का दोस्त

एक बच्चा तपती धूप में नंगे पैर गुलदस्ते बेच रहा था। लो उससे भी मोल भाव रहे थे।

एक सज्जन को उसके पैर देख कर बहुत दुख हुआ। सज्जन ने बाजार से नया जूता खरीदकर उसे देते हुए कहा बेटा लो ये जूता पहन लों लड़के ने फोरन जूते निकाले और पहन लिए। उसका चेहरा खुशी से दमक उठा था। वह सज्जन की और पलटा और हाथ थाम कर पूछा–आप भगवान है। उसने घबरा कर हाथ छुड़ाया और कानों को हाथ लगाकर कहा नहीं बेटा मैं भगवान नहीं हूँ। लड़का फिर मुस्कारया और कहा तो जरूर आप भगवान के दोस्त होंगें, क्योंकि कल रात मैंने भगवान से कहा था मुझे नये जूते दे दो। वो सज्जन मुस्करा दिये और उसके माथे को प्यार से चूमकर अपने घर की ओर चल पड़े। अब वो सज्जन भी जान चुके थे कि भगवान का दोस्त होना कोई मुश्किल काम नही है। खुशिया बांटने से मिलती है। मंदिर में नहीं।